आज का सुविचार

बिना अनुभव कोरा
शाब्दिक ज्ञान अँधा है।
- विवेकानंद

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

वर्ष-5 अंक-42 भोपाल, शुक्रवार 24 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC

पंचांग

पौष कृष्णा पञ्चमी
, शुक्रवार 22
विक्रम, संवत 2078

ITDC

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:59/5:41
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	42 %
वायु (किमी/घ.)	03
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	27°/12°

स्वर्ण दर 24 कैरेट ITDC

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 49,795

ITDC

शेयर सूचकांक

बीएसई	57315.28	+384.72
निफ्टी	17072.60	+117.15

मध्य प्रदेश विधानसभा : 2 मिनट में बिना बहस के संपत्ति को नुकसान की वसूली विधेयक समेत 5 विधेयक पास हुए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायकों के हंगामे के बीच पांच विधेयक दो मिनट में बिना बहस के पास हो गए। इनमें सबसे महत्वपूर्ण विधेयक मध्य प्रदेश लोक एवं निजी संपत्ति को नुकसान का निवारण एवं नुकसान की वसूली विधेयक 2021 है। इसके तहत रैली, प्रदर्शन, सांप्रदायिक दंगों के दौरान सरकारी या निजी संपत्ति को हुए नुकसान करने वाले पर एफआईआर होगी। साथ ही नुकसान के लिए उससे ही हर्जाना वसूला जाएगा, जो दोगुना तक हो सकता है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को प्रश्नकाल शुरू होते ही हंगामा हो गया। पूरा

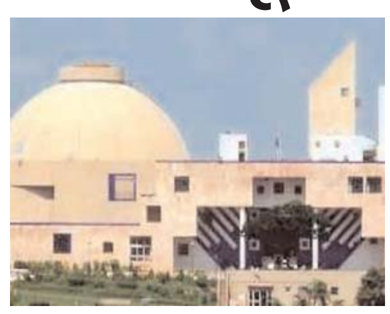

प्रश्नकाल ही हंगामे की भेंट चढ़ गया। तीन बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस ने पंचायत चुनावों में OBC आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर सरकार पर एक्टिव न होने के आरोप लगाए। इस पर सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि सरकार ने OBC आरक्षण के मामले में सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। इस मामले में अर्जेंट हियरिंग की मांग की जा रही है। कांग्रेस विधायक संतुष्ट नहीं हुए और गर्भगृह में जाकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। हंगामे के बीच ही प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को जिन पांच विधेयकों को पारित किया गया, उनमें मध्य प्रदेश काष्ठ चिरान (संशोधन) विधेयक, भू-राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक, ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण संशोधन विधेयक, मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक और लोक एवं निजी संपत्ति को नुकसान निवारक व नुकसानी की वसूली विधेयक 2021 शामिल है।

पलायनवादी सोच है कांग्रेस कीः नरोत्तम मिश्रा

विधेयकों के बिना बहस पास होने के मुद्दे पर डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की सदन में पलायनवादी सोच साफ तौर पर दिखी है। हर विषय की चर्चा से भागना, हंगामा करना, हल्ला करना उनकी आदत हो गई है। सुबह से हंगामा कर रहे हैं। जिस विषय पर स्थगन पर चर्चा हो चुकी हो, जिस विषय पर अध्यक्ष ने व्यवस्था दे दी हो, उस पर हल्ला करना समझ नहीं आया। ये विपक्ष की सोची-समझी रणनीति है। वे चर्चा से भागते हैं। हमारे महत्वपूर्ण विधेयक थे और बिना चर्चा के पास हो गए। विनियोग विधेयक पर चर्चा नहीं की और वह पास हो गया। प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण, शून्यकाल में चर्चा नहीं करते हैं। इतना अकर्मण्य विपक्ष, नाकारा विपक्ष आज तक नहीं देखा।

वाराणसी में 35 मिनिट बोले प्रधानमंत्री मोदी

गाय कुछ लोगों के लिए गुनाह हो सकती है हमारे लिए माता है, पूजनीय है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महज 9 दिन बाद दूसरी बार वाराणसी पहुंचे हैं। उन्होंने करखियांव में 2100 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास-लोकार्पण किया। इसके अलावा, एक लाख 70 हजार पशुपालकों के बैंक खाते में कुल 35 करोड़ 19 लाख रुपए बोनस ट्रांसफर किए। सबसे पहले उन्होंने भोजपुर में लोगों को अभिनंदन किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब काशी और प्रदेश के विकास की बात करता हूं तो कुछ लोगों को कष्ट ज्यादा ही होता है। यह वह लोग हैं जिन्होंने उत्तर प्रदेश की राजनीति को जाति, वर्ग और मजहब के नजरिए से ही देखा है। यह वह लोग हैं जिन्होंने आम आदमी की सुविधा और सहूलियत के बारे में कभी सोचा ही नहीं है। उनकी सोच, डिक्शनरी, बोलचाल और शब्दावली में माफियावाद, परिवारवाद, जमीनों पर अवैध कब्जा है। इन लोगों को पूर्वांचल के विकास से, बाबा के काम से, विश्वनाथ धाम के काम से भी आपत्ति होने लगी है। रविवार को काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए डेढ़ लाख से ज्यादा लोग पहुंचे थे। यूपी को

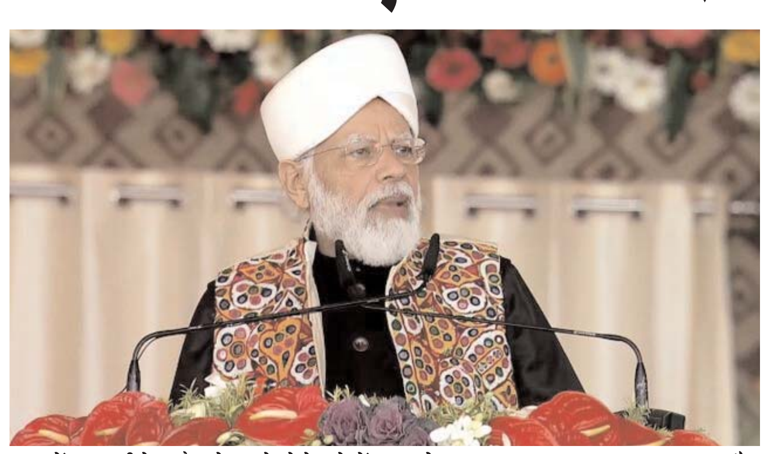

दशकों तक पीछे धकेलने वाले ऐसे लोगों की दिक्कत अभी और बढ़ेगी। डबल इंजन की सरकार के प्रति जनता का आशीर्वाद जैसे-जैसे बढ़ता जाएगा उनका गुस्सा और ज्यादा होता जाएगा पीएम ने कहा- हमारे यहां गाय और गोधन की बात करने को कुछ लोगों ने गुनाह बना दिया है। गाय कुछ लोगों के लिए गुनाह हो सकती है। हमारे लिए गाय माता हैं, पूजनीय हैं। गाय-भैंस का मजाक उड़ाने वाले लोग भूल जाते हैं कि देश के 8 करोड़ लोगों की आजीविका इसी पशुधन से चलती है। देश साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए का दूध-उत्पादन करता है। यह राशि गेहूं और चावल के उत्पादन से भी ज्यादा है। आज देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण की जयंती है। उनकी स्मृति में देश किसान दिवस मना रहा है। किसान न केवल दूध से बल्कि गोबर से भी कमा पाएंगे। दूध से भी ज्यादा पैसा गोबर से किसान कमा सकेंगे। बायो गैस प्लांट से खाद बनेगी और काफी कम कीमत में किसानों को वह मिल सकेगी समय के साथ प्राकृतिक खेती का दायरा सिमटता गया और केमिकल का इस्तेमाल बढ़ता गया। धरती और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित करने के लिए एक बार फिर हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना ही होगा। आज किसान दिवस पर किसानों से आग्रह है कि वह प्राकृतिक खेती की ओर आगे बढ़ें। बनास डेयरी प्लांट जब तैयार हो जाएगा तो पूरा बनारस और उसके आसपास के जिलों के लाखों किसानों को फायदा होगा।

पीएम मोदी ने काशी को देश में पहचान दिलाई : योगी

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अभी 13 दिसंबर को पीएम मोदी ने काशी को ऐसी सौगात दी जिसे हजारों वर्षों से काशी को जरूरत थी। देश दुनिया काशी को निहार रही है। काशी को पीएम मोदी ने देश में पहचान दिलाई है। काशी में बनास डेयरी का शिलान्यास कर किसानों को पीएम बोनस देंगे। यूपी के 20 लाख से अधिक परिवारों को उनके मकान और जमीन का मालिकाना अधिकार दिया जा रहा है।

ओमिक्रॉन ने बढ़ाई चिंता

तमिलनाडु में 33 तो तेलंगाना में 14 केस मिले, देश में अब नए वैरिएंट के 308 मामले

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में एक बार फिर बढ़ोतरी हो रही है। नए ओमिक्रॉन वैरिएंट ने चिंता को और बढ़ा दिया है। गुरुवार को ओमिक्रॉन के तमिलनाडु में 33 और तेलंगाना में 14 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद देशभर में नए वैरिएंट से संक्रमित होने वाले मरीजों की संख्या 308 हो गई है। ओमिक्रॉन के सबसे ज्यादा 65 मामले महाराष्ट्र में सामने आ चुके हैं। 64 मामलों के साथ दिल्ली दूसरे और 34 केस के साथ तमिलनाडु तीसरे नंबर पर है। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम सुब्रमण्यम ने बताया कि नए ओमिक्रॉन मरीजों में से 26 चेन्नई, 1 सलेम, 4 मदुरै और 2 तिरुवनमलाई में मिले हैं। कोरोना से सबसे ज्यादा चिंताजनक हालात महाराष्ट्र में नजर आ रहे हैं। ञ्चह्लद्ब की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में 35 दिन बाद 24 घंटे में 1000 से ज्यादा संक्रमित मिले हैं। गुरुवार को महाराष्ट्र में 1,201 केस आए। इससे पहले राज्य में 17 नवंबर को 1003 मामले आए थे। वहीं, मुंबई में 68 दिन बाद कोरोना के 480 नए मामले सामने आए हैं। महाराष्ट्र में इस वक्त 7,093 एक्टिव केस हैं।

अयोध्या में पूर्व DM के पिता ने भी खरीदी जमीन

नई दिल्ली। अयोध्या में रामलला के मंदिर के पास जमीन खरीदने के मामले में अयोध्या के छ्ररूरहे अनुज कुमार झा का नाम भी सामने आया है। अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, झा के पिता ने यहां 28 मई 2020 को जमीन खरीदी है। फैसला 9 नवंबर 2019 में आया था। अयोध्या में जमीन खरीद मामले में प्रियंका गांधी ने भी बुधवार को दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस की है। प्रियंका ने कागज दिखाते हुए आरोप लगाया कि राम मंदिर के नाम पर जमीनों की लूट मची है -%भाजपा के नेता, पदाधिकारी और योगी के अफसर सब लूट में शामिल हैं। राम के नाम पर भी भ्रष्टाचार कर रहे हैं। पूरे देश की आस्था को चोट पहुंचा रहे हैं।

बाड़मेर में RTI कार्यकर्ता के हाथ-पैर में कीलें ठोंकी

नई दिल्ली। राजस्थान के बाड़मेर जिले के ह्रञ्जढ्ढ कार्यकर्ता अमराराम का अपहरण कर बेरहमी से मारपीट की गई। सूत्रों के मुताबिक पीड़ित से ग्राम पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार और अवैध शराब बेचने की शिकायत का बदला लेने के लिए ऐसा हुआ। पीड़ित के दोनों पैरों और एक हाथ तोड़ने के साथ पैरों में हथौड़े से लोहे की कीलें ठोंक दी गईं। घटना के दो दिन बाद भी आरोपी गिरफ्त से बाहर हैं।

राम मंदिर जमीन घोटाले में प्रियंका की एंट्री, बोलीं-

राम के नाम लूट हुई, इसकी जांच हाईकोर्ट की निगरानी में हो

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने राम मंदिर जमीन घोटाले को लेकर गुरुवार को भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर के लिए मिले चंदे का गलत इस्तेमाल किया गया है। ऐसे घोटाले की जांच जिला स्तर के अधिकारी कर रहे हैं। यह जांच हाईकोर्ट की तरफ से होनी चाहिए, क्योंकि मेयर भी इस

घोटाले में शामिल हैं। प्रियंका ने कहा, भाजपा के नेता, पदाधिकारी और योगी आदित्यनाथ की सरकार के अधिकारी इस लूट में शामिल हैं। वहां कितनी जमीन है, कितने हजार का घोटाला है, यह पता नहीं। भगवान राम नैतिकता के प्रतीक थे और सत्य के पथ पर चलते थे और इसके लिए उन्होंने बहुत बड़ा बलिदान दिया। उनके नाम पर भी आप भ्रष्टाचार कर रहे हैं और आस्था को चोट पहुंचा रहे हैं।

लुधियाना कोर्ट में ब्लास्ट : लुधियाना कोर्ट में फिदायीन हमले की आशंका, बाथरूम में मिली संदिग्ध की क्षत-विक्षत बॉडी; 2 की मौत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/
आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

लुधियाना की जिला अदालत में गुरुवार को ब्लास्ट हुआ है। धमाका अदालत की तीसरी मंजिल पर हुआ और इसमें 2 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह धमाका पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के लुधियाना पहुंचने से कुछ देर पहले ही हुआ है। बताया जा रहा है कि धमाका तीसरी मंजिल पर स्थित बाथरूम में हुआ। सूत्रों ने भास्कर को बताया कि बाथरूम से एक क्षत-विक्षत बॉडी बरामद हुई है। आशंका जाहिर की जा रही है कि यह बॉडी सुसाइड बॉम्बर की है। हालांकि अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

आतंकी हमले का एंगल हुआ तो NIA करेगी जांचः- जांच के लिए NIA की दो सदस्यीय टीम भी चंडीगढ़ से रवाना हो चुकी है। NIA की टीम

पंजाब पुलिस की फोरेंसिक टीम के साथ मिलकर धमाके की जांच करेगी। इसमें यह भी देखा जाएगा कि क्या ये विदेशी ताकतों की हरकत तो नहीं है। अगर इसमें टेरर एंगल मिला तो फिर NIA जांच अपने हाथ में लेगी। इसके अलावा चंडीगढ़ से फोरेंसिक टीम को भी लुधियाना भेजा गया है।

मृतकों की संख्या बढ़ सकती है : चश्मदीद

ब्लास्ट के समय अदालत में मौजूद क्लर्क गुरपाल सिंह ने कहा कि फोटो स्टेट की मशीन के पीछे बाथरूम में ब्लास्ट हुआ है। चार घायल हैं। एक या दो की हालत इतनी गंभीर है कि उनकी डेथ भी हो सकती है। तीन को मैं खुद नीचे छोड़कर आया हूं। यह धमाका तीसरी मंजिल पर कोर्ट नंबर 9 के पास बाथरूम में हुआ। धमाका होने से कोर्ट की पूरी इमारत हिल गई। इमारत की खिड़कियों के शीशे चटक गए और पार्किंग में खड़ी कारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने सिलेंडर फटने की भी आशंका जताई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने अभी धमाके के बारे में कोई बयान नहीं दिया है। अदालत में अफरातफरी का माहौल है।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

प्लाट मात्र 10,9000 हजार में 600 वर्गफीट अति शीघ्र बेचना है नीलबड की प्राइम लोकेशन पर रोड बिजली पानी तुरंत घर बनाए I 8319937948, 7999291701

For Sale 1800 Sqft Plot @ Crystal Smart City & 3BHK Flat 1800 sqft @ Rudraksh Phase-1, Bawadiyakalan. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. 32, Zone-1, M.P. Nagar ,- 7000122016, 9425666664

नए भोपाल की प्राइम लोकेशन बावड़िया कला, मिसरोद, गुलमोहर, शाहपुरा, होशंगाबाद रोड, दानिश नगर, कोलार में प्रोपटी खरीदने/ बेचने हेतु संपर्क करे सुपर प्रोपटी -8871551117

बेचना है कोलार मेंन रोड जानकी अपार्टमेंट कवर्ड केंपस में फर्स्ट फ्लोर पर बड़ा फ्लेट 3 बैडरूम, एक हाल, दो बालकनी, दो लेटबाथ, पार्किंग, संपर्क- 7974670574

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AllMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्कः- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

ITDC JOB आवश्यकता

कोचिंग आवश्यकता: COUNESLERS, टेलीकॉलर FRESHERS, कंप्यूटर ऑपरेटर, SOCIAL MEDIA, मार्केटिंग मैनेजर, FACULTIES: गणित, ENGLISH, फिजिक्स, GS, केमिस्ट्री, PD, फिजिकल ट्रेनर, प्राइमरी, मिडिल TEACHERS: 799993477, 9826910161,

Urgently required field/ sales executive (Male/ Female) for Ecommerce shop registration work
Walkin – TVS Tower, Near Jalsa Hotel, Mp nagar Zone -2, Bhopal. 7869917700, 7509888155

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajghrah, Sehore, Vidisha & Bhopal. call or what's app at 8850388123

NETBOON Pvt Ltd leading E-commerce Organization in Jawahar Chowk Bhopal urgent hiring for Photoshop Editors-3, Web Content Writers-5, Online Sales telecalling Executives-5, must be fluent in English, Contact HR Dept- 9755065290, 9893014112

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/ 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex, 10x11 fts, ground floor, DIG Bungalow, Berasia Road, Bhopal
Mb 7000831264, 9752705333

To let Shop:
Inside Complex, 10x14 fts, ground floor, Arera Colony, 10 No Market, Bhopal
Mb 7000831264, 9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

खबर की खबर

दोगुनी रफ्तार से बढ़ता ओमिक्रोन

जिस तरह कोरोना के नए वेरिएंट ने अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया है, वह चिंता का बड़ा कारण बनता जा रहा है। शुरुआत में इसके संक्रमण से लोगों की मौत नहीं हो रही थी, जिससे उम्मीद बंधी थी कि यह अपना मामूली असर दिखा कर खत्म हो जाएगा लेकिन यह गलत निकला। जिस तरह इसने असर दिखाना शुरू कर दिया है, उससे विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ गयी हैं। अफ्रीका से चला ओमिक्रोन लगभग एक माह में दुनिया के 91 देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है।

तेजी से फैलने वाले इस वेरिएंट को लेकर विशेषज्ञों की मानें तो सख्ती नहीं होने पर क्रिसमस तक इंग्लैंड में प्रतिदिन चार लाख संक्रमित आने लगेंगे। इंग्लैंड तो एक उदाहरण है। दुनिया के लगभग सभी देशों में ओमिक्रोन के दूने संक्रमित आने लगे हैं। न्यूयार्क में पहले ही कर्फ्यू लगाया जा चुका है। दुनिया के देशों में अधिकांश जगह हवाई यात्रा खासतौर से अफ्रीका से आने वाली फ्लाइट पर रोक लग चुकी है। यूरोप के अनेक देशों में हालात बिगड़ रहे हैं तो कोरोना की दूसरी लहर जैसे हालात का डर सताने लगा है। यही कारण है कि कई देश लॉकडाउन जैसे अप्रिय पर जरूरी प्रतिबंधों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। भारत में भी कोरोना के मामलों में तेजी आई है। ओमिक्रोन का संक्रमण अब हमारे देश में भी इकाई-दहाई की संख्या को पार कर चुका है।

दरअसल, कोरोना को लेकर जितने कयास लगाए जा रहे थे सभी निर्मूल सिद्ध हुए। जब 2019 में कोरोना संक्रमण शुरू हुआ तो यह माना जाने लगा कि गर्मियां आते यह अपने आप खत्म हो जाएगा पर ऐसा हुआ नहीं बल्कि 2020 में भयावह दूसरी लहर का हमारे देश सहित दुनिया के देशों ने कहर भुगता। चिकित्सा विज्ञानी पहले ही तीसरी लहर की आशंका व्यक्त कर चुके हैं।

एक ओर सरकारें व्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करती हैं तो थोड़ी-सी ढील ही परेशानी का कारण बन जाती है। यूरोपीय देशों में कोरोना प्रोटोकाल प्रतिबंध हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं तो अमेरिका जैसे देश में भी सैनिकों के एक वर्ग द्वारा वैक्सीन लगवाने से ही इनकार किया जा रहा है। हालांकि अब अमेरिकी सरकार ऐसे सैनिकों के खिलाफ कार्रवाई का मन बना चुकी है।

यही हाल कोरोना प्रोटोकॉल के पालन का है। सड़कों या बाजारों में सही तरीके से मास्क लगाए गिने-चुने लोग ही दिखाई देते हैं। दो गज दूरी की बात बेमानी बनकर रह गयी है। ऐसे में कोरोना का कोई वेरियंट हो उससे बच पाना मुश्किल है। चिंता की बात यह है कि ओमिक्रोन, वैक्सीन की दोनों डोज लेने वालों को भी नहीं बख्श रहा है। ऐसे में बूस्टर डोज की बात कही जाने लगी है।

BREAKING NEWS
खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

कोविड टीके की बूस्टर खुराक को लेकर बढ़ते सवाल

पिछले साल इस वक्त भारत में इन तौर-तरीकों पर चर्चा हो रही थी कि कैसे कोविड टीकाकरण अभियान को शुरू किया जाए क्योंकि कुछ देशों ने अपनी आबादी को तत्काल टीका लगाने के लिए अभियान शुरू कर दिया था। इसके एक महीने बाद 16 जनवरी को भारत में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया गया। अब देश में एक साल से भी कम समय में आधे से अधिक अपनी वयस्क आबादी को टीके की दोनों खुराक दे दी गई है और अब बूस्टर शॉट को लेकर चर्चा चल रही है और साथ ही यह सवाल उठने लगा है कि क्या इस वक्त बूस्टर शॉट (टीके की तीसरी खुराक) दी जानी चाहिए? इस बीच, लगभग 60 देश पहले से ही वायरस के दो नए स्वरूप डेल्टा और ओमीक्रोन के खतरे को देखते हुए अपनी आबादी को टीके की तीसरी खुराक दे रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुरूप भारत का रुख बूस्टर शॉट के बारे में सोचने से पहले टीके की पहली और दूसरी खुराक को प्राथमिकता देने का रहा है। वैज्ञानिक समुदाय के लिहाज से जब तक प्रतिरोधक क्षमता में कमी का समर्थन देने के सबूत न हों और न सिर्फ ऐंटीबॉडी बल्कि दोबारा संक्रमण के गंभीर मामले में कमी के बावजूद बूस्टर के विचार को स्थगित रखा जाना चाहिए। तिरुवनंतपुरम के राजीव गांधी सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी के मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी ई श्रीकुमार ने कहा, हमारे पास सुरक्षा के लिए जरूरी ऐंटीबॉडी टाइटर कट ऑफ नहीं है। उन्होंने कहा, %एक अतिरिक्त खुराक का जोखिम लाभ विश्लेषण किया जाना चाहिए। इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र में एईएफ आई (टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटनाओं) के स्पष्ट दस्तावेज की भी आवश्यकता होती है। हालांकि सरकार की विशेषज्ञ समितियां इस मुद्दे का आकलन कर रही हैं लेकिन भारत की बहु-प्रयोगशाला, बहु-एजेंसी, पैन-इंडिया नेटवर्क जो भारत के जीनोमिक्स पर आधारित सार्स-कोव-2 कंसोर्टियम (इन्साकॉग) है, वह कोविड के कारण वायरस में जीनोमिक विविधताओं की निगरानी करेगा और उसने 29 नवंबर को अपने साप्ताहिक बुलेटिन में इस पर बयान दिया, %40 वर्ष या इससे अधिक उम्र के लोगों के लिए बूस्टर खुराक के जरिये सबसे ज्यादा जोखिम वाले लोगों या संक्रमण की चपेट में ज्यादा आने वाले लोगों पर विचार किया जा सकता है।% लेकिन एक सप्ताह बाद इसे वापस ले लिया गया। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के चेयरपर्सन जयप्रकाश मुलियिल का कहना था, %पढ़े-लिखे लोगों के डर की वजह से बूस्टर खुराक को लेकर विचार चल रहा है। टीकाकरण की वजह से गंभीर हालात की स्थिति में कमी आनी थी और लोगों की मौत को रोकना था और यह सब अच्छे तरीके से किया गया। इसके अलावा आप किसी भी साहित्य, प्राकृतिक संक्रमण को देखिए जो सुरक्षा देता है।

झुनझुनवाला की टेक ऑफ की तैयारी : अकासा एयरलाइन ने ब्रांड लोगो रिलीज किया, आकाश के तत्वों से इंस्पायर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शेयर बाजार के बिग बुल राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली अल्ट्रा लो कॉस्ट एयरलाइन अकासा अगले साल टेक ऑफ की तैयारी में जुटी है। इसी के तहत अकासा ने बुधवार को अपना ब्रांड लोगो रिलीज किया। अकासा का लोगो आकाश के तत्वों से इंस्पायर है।

अकासा का राइजिंग लोगो

अकासा ने अपनी वेबसाइट पर लोगो की जानकारी दी है। इसमें लिखा है, %राइजिंग % सिंबल स्पिरिट ऑफ फ्लाइंग, एम ऑफ हाइट और परस्यूट ऑफ ड्रीम्स को रिप्रजेंट करता है। एयरलाइन ने अपने लोगो के लिए %सनराइज ऑरेंज% और %पैशनेट पर्पल% रंग चुना है जो गर्मी और ऊर्जा को दर्शाता है।

एयरलाइन की टैगलाइन इट्स योर स्काई

कंपनी ने एक ट्वीट भी किया है। इसमें लिखा है, अनवेलिंग द राइजिंग ऑफ अकासा एयर। आकाश के तत्वों से प्रेरित उगता हुआ सूर्य की गर्मी, पक्षी की प्रयास रहित उड़ान और एयरक्राफ्ट के विंग की डिपेंडेबिलीटी का सिंबल है। कंपनी ने एयरलाइन की टैगलाइन इट्स योर स्काई दी है।

अकासा की अगले साल लॉन्चिंग:- अकासा की लॉन्चिंग का प्लान अगले साल की गर्मियों तक है। ये अल्ट्रा लो कॉस्ट कैरियर एयरलाइन होगी। सस्ते सफर के लिए एयरलाइन में यात्रियों को केवल जरूरी सुविधाएं दी जाएंगी।

72 बोइंग 737 मैक्स जेट का ऑर्डर:- अकासा एयर ने 72 बोइंग 737 मैक्स जेट का ऑर्डर दिया है। इन विमानों की कुल कीमत 9 अरब डॉलर है। इनकी डिलीवरी अगले साल से शुरू होगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अकासा के आने से वैसा ही डिसरप्शन पैदा हो सकता है जैसा किंगफिशर एयरवेज के लॉन्च होने के बाद पैदा हुआ था।

आईपीओ की तैयारी : भारत FIH 5000 करोड़ जुटाएगी

स्नैपडील 1250 करोड़ के लिए बाजार में उतरेगी

दिसंबर में कुल 11 इश्यू आए हैं

नवंबर में 9 कंपनियों ने मसौदा जमा कराया था

नवंबर में कुल 9 IPO आए थे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दो कंपनियों ने आईपीओ के लिए सेबी के पास मसौदा जमा किया है। इसमें भारत एफआईएच 5,000 करोड़ रुपए जुटाएगी, जबकि स्नैपडील 1,250 करोड़ रुपए के लिए बाजार में उतरेगी।

एफआईएच मोबाइल की भारतीय यूनिट है भारत एफआईएच

भारत एफआईएच हॉन्गकॉन्ग में लिस्टेड एफआईएच मोबाइल की भारतीय यूनिट है। यह कंपनी एपल की सप्लायर है जो फॉक्सकॉन की है। इसका शेयर हॉन्गकॉन्ग में बुधवार को 6.7 फीसदी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। भारत एफआईएच नए शेयर के जरिए 25 अरब रुपए जुटाएगी जबकि ऑफर फॉर सेल के जरिए 25 अरब जुटाएगी।

मैन्युफैक्च रिंग कंपनी है भारत एफआईएच

भारत एफआईएच इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग सेवा देने वाली कंपनी है। वित्तवर्ष 2021 में इसका मार्केट रेवेन्यू शेयर 15 फीसदी था। भारत एफआईएच ने आईपीओ का पेपर ऐसे समय में फाइल किया है जब इसकी चेन्नई में फैक्टरी एक हफ्ते के लिए बंद है। यह फूड पॉइजनिंग के कारण बंद है। इश्यू के लिए इसके मर्चेंट बैंकर्स सिटीग्रुप, BNP पारिबास और HSBC सिक्योरिटीज है।

स्नैपडील ने भी फाइल किया पेपर

उधर स्नैपडील ने भी 1,250 करोड़ रुपए के पेपर फाइल किया है। कंपनी यह रकम नए शेयर और ऑफर फॉर सेल के जरिए जुटाएगी। हालांकि स्नैपडील के संस्थापक कुनाल बहल और रोहित बंसल कोई शेयर नहीं बेचेंगे। इसके 71 शेयरझारकों में से सॉफ्टबैंक, फॉक्सकॉन, मेडिसन इंडिया, सिकोइया कैपिटल जैसे हिस्सेदार अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे।

900 करोड़ ऑर्गेनिक ग्रोथ पर होगा खर्च

कंपनी जुटाई गई रकम में से 900 करोड़ रुपए ऑर्गेनिक ग्रोथ के लिए खर्च करेगी। वित्तवर्ष 2021 में कंपनी का रेवेन्यू 471 करोड़ रुपए जबकि इसका घाटा 125 करोड़ रुपए था। नवंबर में सेबी के पास कुल 8 कंपनियों ने आईपीओ के लिए मसौदा जमा कराया जबकि दिसंबर में 7 कंपनियों ने पेपर फाइल किया है। अक्टूबर में भी 8 कंपनियों ने पेपर जमा कराया था। दिसंबर में कुल 11 कंपनियों ने आईपीओ लाया जबकि नवंबर में 9 कंपनियों ने बाजार से रकम जुटाई है। हालांकि हाल में लिस्ट होने वाली नई कंपनियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। बुधवार को मेट्रो की लिस्टिंग ने निवेशकों को निराश किया।

वीआई यूजर्स ध्यान दें!

अपने लकी नंबर और बर्थ डे के हिसाब से ले पाएंगे फोन नंबर, घर बैठे मिलेगा सिम कार्ड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वोडाफोन आइडिया अब अपने यूजर्स को फ्री डोरस्टेप डिलीवरी के साथ प्रीमियम, फैंसी और कस्टमाइज्ड मोबाइल नंबरों को चुनने का मौका दे रहा है। Vi ग्राहक अपने लकी नंबर, जन्म तिथि या किसी अन्य तिथि के आधार पर एक विशेष नंबर को चुनने का मौका दे रहा है। यानी आप जिस तरह का नंबर चाहते हैं, उसे आप चुन सकते हैं। प्रीपेड और पोस्टपेड दोनों ग्राहक इन प्रीमियम नंबरों को लेने का फायदा उठा सकते हैं।

इन शहरों में मिलेगी सुविधा

अगर आप दिल्ली, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, अहमदाबाद, सूरत और जयपुर में रहते हैं तो आपको सिम कार्ड घर पर डिलीवर कर दिया जाएगा। अगर आप देश के किसी और हिस्से में रह रहे हैं तो भी अपनी पसंद का नंबर आप पा सकते हैं, लेकिन उसके लिए आपको कंपनी के सर्विस सेंटर पर जाना होगा।

अपनी पसंद का मोबाइल नंबर पाने के लिए अपनाएं ये प्रोसेस

इसके लिए आपको सबसे पहले कंपनी की वेबसाइट के इस लिंक पर क्लिक करें।

अब आपको प्रीपेड और पोस्टपेड का ऑप्शन चुनना होगा।

अब अपना पिन कोड और मोबाइल नंबर जैसी डिटेल्स दर्ज करें।

इसके बाद एक VIP मोबाइल नंबर चुनें।

अगर लिस्ट में आपकी पसंद का नंबर नहीं है तो अपने जन्मदिन, एनिवर्सरी या लकी नंबर से जुड़े नंबर लिखें, आपके सामने लिस्ट खुलने लगेगी।

सब्सिडी से मिल रहा बढ़ावा

फेम-2 स्कीम को साल 2024 तक बढ़ाया गया

व्हीकल के पार्ट लिए 26 हजार करोड़ रुपए की पीएलआई स्कीम

एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के लिए 18,000 करोड़ रुपए का सपोर्ट

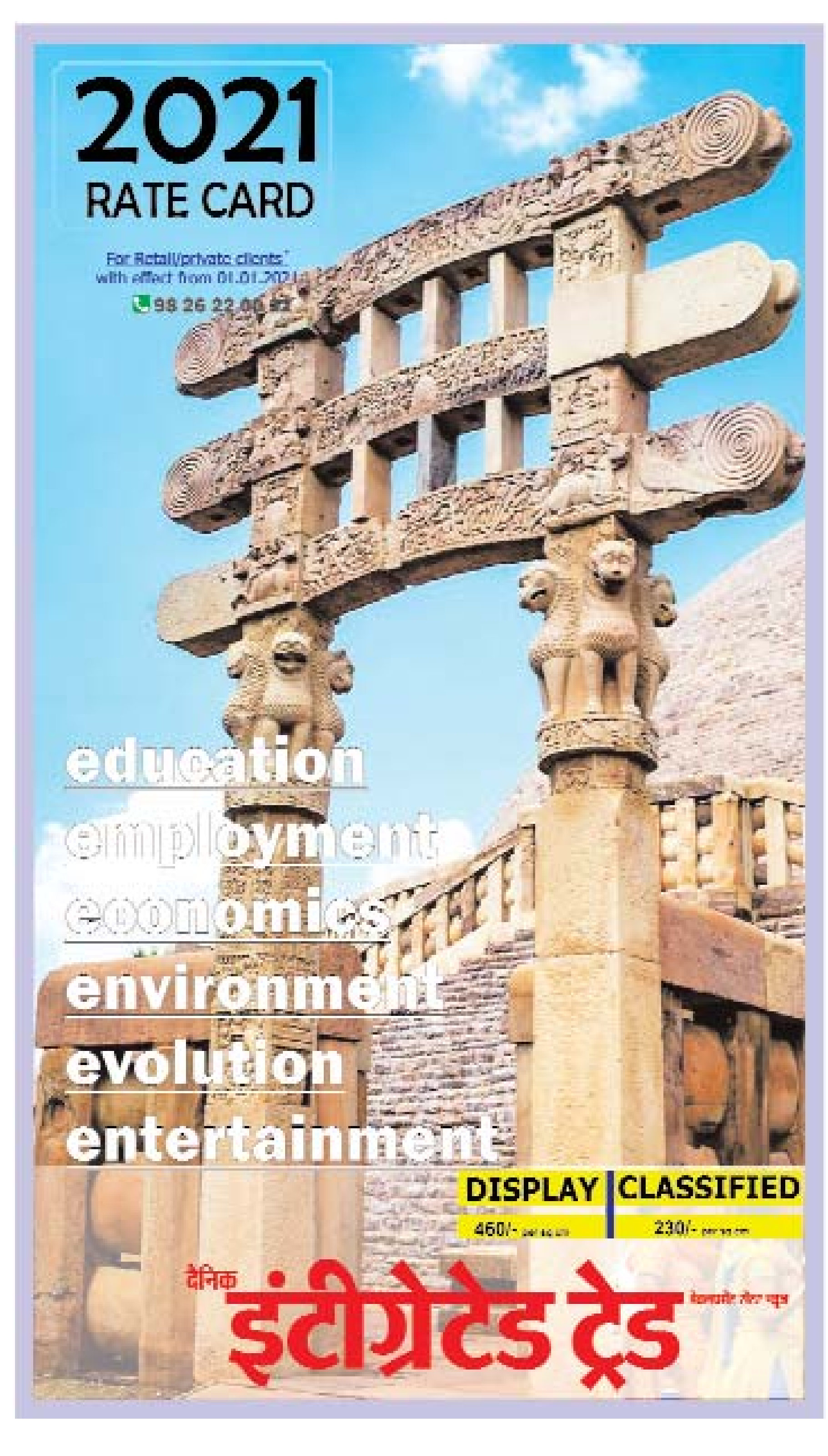

नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 लॉन्च : 60 से ज्यादा स्पोर्ट मोड मिलेंगे, पानी पड़ने पर नहीं होगी खराब

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कीमत 4499 रुपए

नॉइज ने आखिरकार अपनी नई स्मार्टवॉच नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 को लॉन्च कर दिया है। नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 की स्पेशल इंट्रोडक्टरी प्राइस 5,000 रुपए से कम है। अमेजन और ऑफिशियल साइट दोनों जगह वॉच 50 फीसदी डिस्काउंट के साथ लिस्टेड है। वॉच में 60+ स्पोर्ट्स मोड, 7 दिनों तक की बैटरी लाइफ मिलती है।

नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 की भारत में कीमत

नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 की कीमत 4,499 रुपए है। स्मार्टवॉच को नेवी ब्लू, व्हाइट और ऑलिव ग्रीन कलर ऑप्शन में खरीद सकते हैं। यह आज से अमेजन पर खरीदने के लिए उपलब्ध है।

नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 स्पेसिफिकेशंस

नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 में 1.78-इंच एमोलेड डिस्प्ले के साथ एक स्क्वायर डायल है जिसका रेजोल्यूशन 368×448 पिक्सल और 326 पीपीआई पिक्सल डेनसिटी है। इसमें ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले मोड और 100 से ज्यादा वॉच फेस भी मिलते हैं।

स्मार्टवॉच में प्रीमियम स्टेनलेस स्टील बॉडी के साथ राइट साइड फिजिकल बटन दिया गया है।

यह IP68 सर्टिफाइड वाटर-रेसिस्टेंट है। इससे पानी पड़ने पर भी यह खराब नहीं होगी।

नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 पर 24×7 हार्ट रेट मॉनिटर, SpO2 सेंसर और फीमेल मेन्सट्रुरल साइकिल शामिल है। यह नींद के पैटर्न और स्ट्रेस लेवल की निगरानी भी कर सकती है।

इसमें 60 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड का सपोर्ट मिलता है जिसमें दौड़ना, साइकिल चलाना, इनडोर और साथ ही आउटडोर गेमिंग शामिल हैं।

नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 सोशल मीडिया नोटिफिकेशन के साथ इनकमिंग कॉल और मैसेज को डिस्प्ले करता है। स्मार्टवॉच रिमाइंडर, स्टॉक अलर्ट, मौसम पूर्वानुमान, टॉर्च, कैलकुलेटर जैसे फीचर मिलते हैं। यूजर्स डिवाइस से म्यूजिक प्लेबैक को भी कंट्रोल कर सकता है।

नॉइज कलरफिट अल्ट्रा 2 में 180mAh बैटरी मिलती है। जिससे नॉर्मल और स्टैंडबाय मोड पर 7 और 20 दिनों का बैटरी बैकअप मिलता है।

सबको भरोसे में लेना है जरूरी

परिसीमन आयोग ने अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट में जम्मू और कश्मीर क्षेत्र के लिए जो प्रस्ताव दिए हैं, उन्हें लेकर कश्मीर में असंतोष है। आयोग की इन सिफारिशों को ज्यों का त्यों स्वीकार कर लिया गया तो कश्मीर घाटी क्षेत्र की विधानसभा सीटों की संख्या में एक का इजाफा होगा, लेकिन जम्मू क्षेत्र में छह सीटें बढ़ जाएंगी। यानी कश्मीर में इसके बाद 47 सीटें होंगी तो जम्मू में 43 सीटें। इसके अलावा पहली बार आयोग ने 9 सीटें एसटी और सात सीटें एससी समुदायों के लिए रिजर्व करने की बात भी कही है। प्रमुख स्थानीय पार्टियों के संगठन गुपकार अलायंस ने इस रिपोर्ट को नामंजूर कर दिया है। बीजेपी शुरू से जम्मू क्षेत्र के कम प्रतिनिधित्व की शिकायत करती रही है। वह परिसीमन आयोग के जम्मू क्षेत्र में छह सीटें बढ़ाने के ताजा प्रस्ताव से भी खुश नहीं है।

प्रदेश बीजेपी का कहना है कि इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद भी कश्मीर का पलड़ा जम्मू की तुलना में भारी रहेगा। 2014 में जब जम्मू-कश्मीर में आखिरी बार चुनाव हुए थे, तब बीजेपी को 25 सीटों पर जीत मिली थी और ये सारी जम्मू क्षेत्र में थीं। इसीलिए आयोग के हालिया प्रस्ताव के बाद यह सवाल उठ रहा है कि कहीं यह पूरी कवायद जम्मू क्षेत्र की सीटें बढ़ाने के लिए तो नहीं की जा रही है। परिसीमन का आधार आबादी होती है और 2011 के सेंसस के मुताबिक घाटी क्षेत्र की आबादी जम्मू की तुलना में 15 लाख से भी अधिक है। उस लिहाज से भी यह प्रस्ताव तर्कसंगत नहीं लगता। कहा जा रहा है कि आयोग ने अपनी सिफारिशों का औचित्य साबित करने के लिए मतदाता सूची, भौगोलिक व संचार सुविधाएं और हर क्षेत्र की आबादी में प्लस माइनस 10 फीसदी मार्जिन जैसे कारकों को आधार बनाया है। आयोग के प्रस्ताव का विरोध करने वालों का कहना है कि जब पूरे देश में परिसीमन के लिए 2021 सेंसस के आंकड़ों का इंतजार किया जा रहा है तो जम्मू-कश्मीर में भी उसी आधार पर सीटों की संख्या में फेरबदल किया जाना चाहिए। विरोधियों का यह भी कहना है कि धारा 370 को खत्म किए जाने और जम्मू-कश्मीर रिऑर्गनाइजेशन एक्ट को अदालत में चुनौती दी गई है। इसलिए परिसीमन के बारे में किसी फैसले से पहले अदालत के निर्णय का इंतजार करना चाहिए।

2014 में जब जम्मू-कश्मीर में आखिरी बार चुनाव हुए थे, तब बीजेपी को 25 सीटों पर जीत मिली थी और ये सारी जम्मू क्षेत्र में थीं। इसीलिए आयोग के हालिया प्रस्ताव के बाद यह सवाल उठ रहा है कि कहीं यह पूरी कवायद जम्मू क्षेत्र की सीटें बढ़ाने के लिए तो नहीं की जा रही है।

यह समझना जरूरी है कि लोकतंत्र में महत्वपूर्ण फैसलों की एकमात्र कसौटी यह नहीं होती कि निर्णयकर्ता उन फैसलों को कितना सही मानता है। अक्सर बड़ा सवाल यह हो जाता है कि लोगों को वह फैसला कैसा नजर आता है। कश्मीर में हालात पहले से ही नाजुक हैं। ऐसे में कोई भी ऐसा फैसला, जिसे यहां का एक वर्ग ठीक न माने, स्थितियों को बेहतर बनाने में मददगार नहीं साबित होगा। इसलिए परिसीमन के मामले में कश्मीर और जम्मू दोनों ही क्षेत्रों के प्रतिनिधियों और जनता का भरोसा हासिल करना बेहतर रहेगा।

संपादकीय

संसद की शान का सवाल

संसद का शीतकालीन सत्र समय से पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 29 नवंबर से शुरु हुए सत्र को 23 दिसंबर तक चलना था, लेकिन दोनों सदनों में बुधवार सुबह ही कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इस सत्र के दौरान कृषि विधि निरसन विधेयक 2021, राष्ट्रीय औषध शिक्षा अनुसंधान संस्थान संशोधन विधेयक 2021, केंद्रीय सतर्कता आयोग संशोधन विधेयक 2021, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन संशोधन विधेयक 2021 और निर्वाचन विधि संशोधन विधेयक 2021 जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये गए। 20 दिसंबर को वर्ष 2021-22 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच पर चर्चा हुई। यानी ये सोच कर खुद को बहलाया जा सकता है कि संसद का पूरा सत्र बेकार नहीं गया, थोड़ा बहुत काम भी हुआ है। हालांकि ये काम किस तरह से हुआ, इस पर गंभीरता से सोचा जाए, तो समझ आएगा कि संसद में लोकतंत्र का वजन कितना हल्का कर दिया गया है। इस सत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि कृषि निरसन विधेयक को मान सकते हैं। क्योंकि जिन कृषि कानूनों को इस विधेयक के जरिए निरस्त किया गया, उन्हें खारिज करने की मांग के कारण ही साल भर से लंबा किसान आंदोलन चला। कम से कम 7 सौ किसानों की मौत इस दौरान हुई। सरकार ने इन कानूनों को लेकर पर्याप्त अड़ियल रवैया दिखाया और जब लगा कि चुनावों में इन कानूनों के कारण मुश्किल आ सकती है, तो उन्हें रद्द करने का विधेयक भी पारित हो गया। हालांकि ये विधेयक भी बिना किसी चर्चा के चंद मिनटों में पारित हुआ। सरकार ने अपने बहुमत से निर्वाचन विधि संशोधन विधेयक को भी पारित करा लिया है, जिसके बाद मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ना अनिवार्य हो जाएगा। कांग्रेस, वामदल, टीएमसी जैसे तमाम विपक्षी दलों ने सरकार के इस फैसले का विरोध किया है। इसे निजता के लिए खतरा बताया है। मगर सरकार ने विपक्ष की मांगों पर ध्यान नहीं दिया। गौरतलब है कि मतदान कराना निर्वाचन आयोग का काम है, जो स्वायत्त संस्था है, जबकि आधार कार्ड का जिम्मा यूआईडीएआई के अधीन है, जो सरकार के तहत काम करती है। ऐसे में अगर वोटर आईडी कार्ड और आधार आपस में जुड़ जाएंगे, तो सरकार के लिए सारे वोटर्स की जानकारी लेना आसान हो जाएगा। और चुनाव की निष्पक्षता संदिग्ध हो जाएगी। इतनी बड़ी आबादी में आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड में नाम या पते को लेकर भी कई बार गड़बड़ियां हो जाती हैं, और ऐसे में अगर दोनों पहचान पत्र आपस में जुड़ जाएंगे तो मतदाता सूची में गड़बड़ी का डर रहेगा और बहुत से लोग मतदान से वंचित हो सकते हैं। फरवरी 2015 में आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में यह काम प्रयोग के तौर पर हो चुका है, जिसमें काफी गड़बड़ी पाई गई थी। लेकिन सरकार ने इन बातों को नजरंदाज करके विधेयक पारित करा लिया। पूरे संसद सत्र में सरकार की यही मनमानी नजर आती रही। सत्र के पहले ही दिन, मानसून सत्र में हुए हंगामे के नाम पर राज्यसभा से 12 सांसदों को निलंबित कर दिया गया।

इन सांसदों के निलंबन को वापस लेने के लिए विपक्ष रोजाना संसद के बाहर धरना देता रहा। मंगलवार को भी राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन को राज्यसभा में रूल बुक फेंकने के आरोप में शीतकालीन सत्र के बाकी दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था। हालांकि ब्रायन ने इस आरोप से इंकार किया और कहा कि वह निर्वाचन विधि संशोधन विधेयक के खतरे के बारे में छह मिनट तक समझाते रहे, लेकिन यह सरकार किसी की नसीहत सुनना नहीं चाहती। इधर लोकसभा में भी लगभग हर रोज लखीमपुर खीरी मामले और अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी को लेकर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर भी मार्च निकाला। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार से चर्चा की मांग करता रहा, लेकिन सरकार ने मामले के अदालत में विचाराधीन होने के कारण इस पर बात नहीं की। ऐसा लगता है कि सरकार को जब सुविधा होती है, तो वह चर्चा के लिए आगे आती है और जहां सवालों से घिरने का खतरा दिखता है, सत्ता के लिए असुविधा होने लगती है, वहां सरकार किसी न किसी बहाने से हट जाती है। संसद में भारत-चीन विवाद पर भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर चर्चा से बचा गया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने एक ट्वीट में बताया है कि सितंबर 2020 से लेकर अब तक लोकसभा सचिवालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर पूछे गए 17 सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। सरकार की यह बहानेबाजी विपक्ष बार-बार उजागर कर रहा है। इसलिए सत्र को समय से पूर्व खत्म करने का कदम ही सरकार के लिए ठीक रहा। वैसे भी देश के प्रधानमंत्री इन दिनों चुनावी राज्यों में व्यस्त हैं। मोदीजी ने भाजपा सांसदों को तो सदन में उपस्थित रहने की नसीहत दे दी, लेकिन खुद पहले दिन और आखिरी दिन ही सदन में नजर आए। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर और विजय वसंत ने इस बारे में एक पोस्टर भी ट्वीट किया, जिसमें पहले दिन से लेकर 20 दिसम्बर तक लगातार मोदीजी की अनुपस्थिति लगाई गई। जबकि इस दौरान वे उप्र में बार-बार नजर आए। निजीकरण, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों, मजदूरों से जुड़े सवाल, कोरोना ऐसे कई मुद्दे थे, जिन पर सरकार को विपक्ष के साथ खुली चर्चा सदन में करना चाहिए थी।

बांग्लादेश का मुक्ति संघर्ष : इंदिराजी ने हर मोर्चे पर सफलता हासिल की थी

एल. एस. हरदेनिया

बांग्लादेश के विश्व के मानचित्र पर आने ने यह सिद्ध किया कि धर्म आधारित देश ज्यादा दिन तक नहीं टिकते और न विकास कर पाते हैं। धर्म से ज्यादा भाषा देशों को एक रखती है। बांग्लादेश के निवासियों ने यह घोषित किया था कि बांग्ला हमारी भाषा है। हम पर उर्दू नहीं लादी जा सकती। बांग्लादेश ने एक और चौंकाने वाला काम किया। बांग्लादेश ने रवीन्द्रनाथ टैगोर लिखित %सोनार बांग्ला% को अपना राष्ट्रगान बनाया। यह आश्चर्य और गर्व की बात है कि दो देशों के राष्ट्रगानों के रचयिता एक ही कवि हैं। जब सोवियत संघ के महान नेता स्टालिन की मृत्यु हुई थी तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि स्टालिन both in peace and warA इसी तरह की श्रद्धांजलि श्रीमती इंदिरा गांधी को दी जा सकती है। बांग्लादेश के संघर्ष के दौरान जिस सक्षमता से उन्होंने देश का नेतृत्व किया उसे विश्व के युद्धों के इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखा जाएगा। यहां यह स्मरण करना प्रासंगिक होगा कि बांग्लादेश का युद्ध उन्होंने प्रारंभ नहीं किया था। वह हम पर लादा गया था। पाकिस्तान में हुए चुनावों में मुजीबुर रहमान के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने विजय हासिल की थी। इसके बावजूद पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं ने उन्हें सत्ता नहीं सौंपी। वोट द्वारा प्राप्त बहुमत को खो देने से पूर्वी पाकिस्तान में असंतोष फैला। असंतोष को दबाने के लिए जबरदस्त ज्यादतियां की गईं। हत्याएं की गईं, महिलाओं की इज्जत लूटी गई। अत्याचार से परेशान होकर लाखों पूर्वी पाकिस्तानियों ने हमारे देश में शरण ली। इतनी बड़ी संख्या में शरणार्थियों के आने से हमारे देश में तरह-तरह की समस्याएं पैदा हुईं। इसके कारण युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई। देश में पैदा स्थिति से दुनिया को अवगत कराने के लिए इंदिराजी ने बड़ा कूटनीतिक अभियान प्रारंभ किया। इस अभियान के अंतर्गत स्वयं उन्होंने भी अनेक देशों की यात्राएं कीं। वे इस सिलसिले में तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन से मिलीं। मुलाकात असफल रही। इस पर तत्कालीन अमरीकी विदेश मंत्री हैनरी किसिंजर ने इंदिराजी से कहा, %मैडम प्राईम मिनिस्टर क्या आपको नहीं लगता कि राष्ट्रपति के प्रति आप कुछ और धैर्य का प्रदर्शन कर सकतीं थीं। इंदिराजी का भाषा में दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के प्रतिनिधि से इंदिराजी ही बातचीत कर सकतीं थीं। इंदिराजी ने इस नाजुक घड़ी में देश को एक रखा व प्रतिपक्ष के नेताओं का भरपूर सहयोग लिया। उस समय इंदिराजी ने देश के सबसे सम्मानीय गैर-राजनीतिक नेता जयप्रकाश नारायण को भारत के प्रतिनिधि के रूप में अनेक देशों में भेजा। पश्चिमी जर्मनी की उनकी यात्रा का विवरण अटल बिहारी वाजपेयी मंत्रिपरिषद में वित्तमंत्री रहे यशवंत सिन्हा ने अभी हाल में जारी

अत्याचार से परेशान होकर लाखों पूर्वी पाकिस्तानियों ने हमारे देश में शरण ली। इतनी बड़ी संख्या में शरणार्थियों के आने से हमारे देश में तरह-तरह की समस्याएं पैदा हुईं। इसके कारण युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई।

जवाब था- आपके बहुमूल्य सुझाव के लिए धन्यवाद मिस्टर सेक्रेटरी। भारत विकासशील देश अवश्य है किंतु हमारी रीढ़ की हड्डी सीधी और मजबूत है। अत्याचार का सामना करने के लिए हमारे पास इच्छाशक्ति और संसाधन हैं। हम साबित कर दिखाएंगे कि वे दिन गए जब कोई शक्ति हजारों मील दूर बैठकर किसी देश पर शासन कर सके।% मेरी राय में इस अपने लेख में दिया है। इंदिराजी ने जेपी को जर्मनी इसलिए भेजा क्योंकि उस समय वहां के चांसलर विल्ली ब्राईट थे। ब्राइंट सुप्रसिद्ध सोशलिस्ट नेता थे और जयप्रकाशजी के अच्छे मित्र थे। यशवंत सिन्हा उस दौरान जर्मनी की राजधानी बॉन स्थित भारतीय दूतावास में फर्स्ट सेक्रेटरी (कर्मशियल) के पद पर पदस्थ थे। जयप्रकाशजी ने विश्व के अनेक समाजवादी नेताओं से संपर्क किया। इसी तरह इंदिराजी ने अटलबिहारी वाजपेयी की सेवाओं का भी उपयोग किया। उन्होंने एक संदेश देकर वाजपेयीजी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के तत्कालीन सरसंघ चालक गुरू गोलवलकर के पास भेजा। उन्होंने देश में शांति बनाए रखने में आरएसएस की मदद मांगी। यशवंत सिन्हा अपने लेख में कहते हैं कि बांग्लादेश के घटनाक्रम ने यह सिद्ध किया कि कूटनीतिक, सैनिक और देश को एक रखने के मोर्चों पर इंदिराजी ने जो सफलता हासिल की वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखी जाएगी। सिन्हा ने अपने लेख में कहा कि ऐसी महान सफलता का उत्सव मनाते समय इंदिराजी को याद न करना (वर्तमान केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की) घटिया और तुच्छ मनोवृत्ति के अलावा कुछ नहीं है। कम से कम प्रधानमंत्री से तो यह ऐसी अपेक्षा नहीं है। बांग्लादेश के विश्व के मानचित्र पर आने ने यह सिद्ध किया कि धर्म आधारित देश ज्यादा दिन तक नहीं टिकते और न विकास कर पाते हैं। धर्म से ज्यादा भाषा देशों को एक रखती है। बांग्लादेश के निवासियों ने यह घोषित किया था कि बांग्ला हमारी भाषा है। हम पर उर्दू नहीं लादी जा सकती। बांग्लादेश ने एक और चौंकाने वाला काम किया। बांग्लादेश ने रवीन्द्रनाथ टैगोर लिखित %सोनार बांग्ला% को अपना राष्ट्रगान बनाया। यह आश्चर्य और गर्व की बात है कि दो देशों के राष्ट्रगानों के रचयिता एक ही कवि हैं। इसके अलावा बांग्लादेश ने हमारे देश की तरह धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र को अपना आधार बनाया। बीच में वहां साम्प्रदायिक शक्तियों ने सिर उठाया था परंतु वहां की जनता ने उन्हें शिकस्त दी। हम अपने देश में कैसे इस तरह की शक्तियों को शिकस्त दे सकते हैं यह हमें बांग्लादेश के बहादुर नागरिकों से सीखना चाहिए।

महिलाओं के बीच मोदी

मुद्दा केवल महिलाओं की सुरक्षा ही नहीं है, उन्हें हर तरह से पुरुषों के बराबर खड़ा करने के लिए माहौल बनाने का भी है। यानी पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, राजनीति में प्रतिनिधित्व हर तरीके से महिलाओं को बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए। इस मामले में प्रियंका गांधी ने बाकी सारे दलों से बढ़त हासिल कर ली है। कांग्रेस ने महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने का ऐलान किया है। भाजपा और संघ महिलाओं को आगे नहीं आने देते, ये आरोप अक्सर विपक्षी लगाते हैं। संघ के नेताओं ने अतीत में कई ऐसे बयान दिए भी हैं, जिससे ये लगता है कि महिलाओं को वो केवल घर-गृहस्थी संभालने और बच्चे पैदा करने की भूमिका से आगे नहीं बढ़ने देना चाहते। लेकिन आज की राजनीति में महिलाओं को साथ लिए बिना किसी की चुनावी नैया पार नहीं उतरेगी, ये भी एक कड़वा सच है। और ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस सच को स्वीकार कर लिया है। तभी तो प्रधानमंत्री प्रयागराज में एक नए तरह के कुंभ में महिलाओं के बीच पहुंचे। संगम नगरी प्रयागराज में मंगलवार को भाजपा ने मातृशक्ति महाकुंभ आयोजित किया, जिसमें हिस्सा लेने खासतौर पर प्रधानमंत्री पहुंचे। कहा गया कि स्वसहायता समूह की महिलाओं से मोदीजी संवाद करने पहुंचे। लेकिन संवाद तो तब होता है जब दोनों तरफ से बराबर की बात हो। लेकिन मोदीजी के मामले में दोतरफा बातचीत अक्सर मन की बात में तब्दील हो जाती है। खैर, इस कार्यक्रम के लिए उप्र के 75 जिलों से ढाई लाख महिलाओं का जमावड़ा प्रयागराज में लगाया गया है। पूरे राज्य में आठ हजार बसों से लगभग ढाई लाख महिलाओं को प्रयागराज लाया गया। इस नए तरह के कुंभ के आयोजन में प्रदेश सरकार कई दिनों से लगी थी। मोदीजी को और महिलाओं को खुश करने के सारे इंतजाम उप्र सरकार ने किए, ताकि यह महाकुंभ सफल हो और प्रधानमंत्री से ढेर सारी घोषणाएं सुनकर महिलाएं खुशी-खुशी अपने घरों को लौट जाएं। और जब चुनाव की बारी आए तो कमल पर बटन दबा दें। लेकिन यह सब क्या इतना आसान होगा। क्या कुछ करोड़ की घोषणा कर भाजपा महिलाओं को यह एहसास करा पाएगी कि उनके बेहतर भविष्य के लिए भाजपा का सत्ता में लौटना ही सही है। क्या प्रधानमंत्री के स्वरोजगार और स्वावलंबन पर दिए भाषण को सुनकर, महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएंगी या इसके लिए सरकार को ऐसे कदम भी उठाने पड़ेंगे, जिससे महिलाओं को वाकई अपने पैरों पर खड़ा होने की हिम्मत और अवसर मिल सकें। ये सारे सवाल इस आयोजन से एक बार फिर उठ खड़े हुए। सवाल ये भी है कि पांच सालों में योगी सरकार ने ऐसा क्या किया जिससे महिलाएं फिर से भाजपा को वोट दें। या पांच सालों में कुछ नहीं किया , इसलिए अब इस तामझाम की जरूरत पड़ रही है।

क्या प्रधानमंत्री के स्वरोजगार और स्वावलंबन पर दिए भाषण को सुनकर, महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएंगी या इसके लिए सरकार को ऐसे कदम भी उठाने पड़ेंगे, जिससे महिलाओं को वाकई अपने पैरों पर खड़ा होने की हिम्मत और अवसर मिल सकें।

वैसे एनसीआरबी के आंकड़े तो बताते हैं कि साल 2017 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के दर्ज मामले 56 हज़ार के पार थे, और अगले दो साल यानी 2018 और 2019 में महिलाओं के खिलाफ़ किए गए अपराधों की संख्या बढ़कर 60 हज़ार के क़रीब पहुंच गई। हालांकि साल 2020 के आंकड़ों में ये संख्या घटकर 49 हज़ार रह जाती है। इन आंकड़ों को देखकर तो लगता नहीं कि योगी सरकार ने अखिलेश सरकार से कोई बेहतर काम महिलाओं की सुरक्षा के लिए किया है, क्योंकि अखिलेश यादव के कार्यकाल के चौथे वर्ष में यानी साल 2016 में ये आंकड़ा 49,262 था। हाल ही में एक आरटीआई में खुलासा हुआ है कि राज्य में हर रोज औसतन 3 लड़कियां गायब हो रही हैं। इसका एक बड़ा कारण मानव तस्करी हो सकता है। वैसे एनसीआरबी ये आंकड़े जारी करे न करे, उप्र में रहने वाला हर नागरिक जानता है कि इस राज्य में माहौल अब तक ऐसा नहीं है कि कोई लड़की आधी रात को अकेले बाहर निकल सके। और उप्र ही नहीं देश के किसी राज्य में अब तक ऐसा माहौल नहीं है। लेकिन इस समस्या को जड़ से समझने और सुधारने की जगह जब उस पर राजनीति होने लगती है, तो फिर केवल बड़ी-बड़ी बातें ही रह जाती हैं, मुश्किल वहीं की वहीं बनी रहती है। उप्र में हाथरस और उन्नाव जैसे भयानक मामले देश ने देखे हैं, जहां पीड़ितों को इंसाफ मिलना तो दूर, उनके साथ ऐसा व्यवहार हुआ कि पुलिस प्रशासन, कानून व्यवस्था और सरकार से जनता का भरोसा हिल गया। महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाला अगर रसूखदार हुआ तो फिर उस पर कानूनी कार्रवाई भी मुश्किल हो गई। लेकिन इसके बावजूद कुछ वक्त पहले उप्र भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा था कि योगी राज में लड़कियां रात के 12 बजे भी घर से बाहर निकल सकती हैं। किसी की हैसियत नहीं है कि लड़कियों को छेड़ दे और अगर छेड़ देता है तो फिर उसकी खैर नहीं है। यह कोई समाजवादी पार्टी या बहुजन समाज पार्टी की सरकार नहीं है कि लड़कियों के साथ कुछ भी हो जाए। कुछ ऐसा ही बयान अक्टूबर में गृहमंत्री अमित शाह ने भी दिया था कि उप्र में अब 16 साल की लड़की गहने लादकर रात के 12 बजे अपनी स्कूटी पर निकल सकती है। पता नहीं ऐसे दावे किस आधार पर भाजपा नेता करते हैं। अगर इन नेताओं में से ही किसी को कहा जाए कि अपने घर की लड़की को आधी रात को गहनों से लादकर स्कूटी पर बाहर भेजो, तो वो भी इसकी हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। क्योंकि कानून व्यवस्था ही नहीं, समाज की मानसिकता से भी ये लोग परिचित हैं। फिर भी जनता को गुमराह करने के लिए ऐसे दावे करते हैं। अभी केंद्र सरकार ने लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 करने का जो फैसला लिया है, उस पर भी जिस तरह के बयान आने लगे हैं, उससे समाज की मानसिकता का पता चल जाता है। वैसे मुद्दा केवल महिलाओं की सुरक्षा ही नहीं है, उन्हें हर तरह से पुरुषों के बराबर खड़ा करने के लिए माहौल बनाने का भी है। यानी पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, राजनीति में प्रतिनिधित्व हर तरीके से महिलाओं को बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए। इस मामले में प्रियंका गांधी ने बाकी सारे दलों से बढ़त हासिल कर ली है। कांग्रेस ने महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने का ऐलान किया है।

हड़बड़ी क्यों दिखा रही सरकार?

विपक्ष के विरोध और उसकी ओर से व्यक्त की जा रही आशंकाओं के बीच जिस हड़बड़ी में चुनाव सुधार (संशोधन) विधेयक 2021 संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया, वह अच्छी मिसाल नहीं पेश करता। आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की बात जब से शुरू हुई है, तभी से इसके संभावित दुरुपयोग की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इन्हीं आशंकाओं की वजह से इसका विरोध भी देखा जा रहा है। 2015 में चुनाव आयोग की तरफ से आधार डेटा के सहारे मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने और दोहराव मिटाने का एक पायलट प्रॉजेक्ट शुरू किया गया था। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इस पहल पर रोक लगा दी थी। यह बात बार-बार स्पष्ट होती रही है कि आधार कार्ड का इस्तेमाल पते के सबूत के रूप तो किया जा सकता है, लेकिन इसे किसी की नागरिकता का प्रमाण नहीं करार दिया जा सकता। हालांकि मौजूदा विधेयक में आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की व्यवस्था को ऐच्छिक रखा गया है और इसी आधार पर सरकार इसके विरोध को अनावश्यक बता रही है, लेकिन इससे उस हड़बड़ी का औचित्य नहीं साबित होता जो बिल पास करने में दिखाई गई है। राज्यसभा में इसे विपक्ष के वॉकआउट के बाद पारित किया गया। लोकसभा में भी इस पर ठीक से बहस नहीं हो सकी। विपक्षी सांसदों को संशोधन सुझाने का मौका नहीं मिला। कई नेता कहते पाए गए कि विपक्ष के 12 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित करने का संभवत- यही उद्देश्य था कि राज्यसभा से यह बिल विपक्ष के विरोध के बावजूद आसानी से पारित करा लिया जाए। चुनाव सुधार की एक महत्वपूर्ण पहल को लेकर विपक्ष में इस तरह का अविश्वास बनने देना संसदीय लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। दिलचस्प यह भी है कि कानून मंत्री ने विधेयक का समर्थन करते हुए विपक्षी सदस्यों की यह कहकर आलोचना की कि वे इस विधेयक को समझ ही नहीं पाए हैं। अगर इस आलोचना को सच मान लिया जाए, तब भी क्या सरकार के लिए यह जरूरी नहीं था कि ऐसे तमाम सदस्यों को विधेयक समझने का पूरा मौका देती, उनके साथ विस्तृत बातचीत और बहस चलाकर उन्हें पूरी जानकारी मुहैया कराती, उनकी आशंकाएं दूर करती? ऐसी ही हड़बड़ी में बनाए गए कृषि कानूनों ने सरकार को कितनी असुविधाजनक स्थिति में डाला और कैसे कृषि सुधार के अजेंडे को पीछे की ओर धकेल दिया, यह सब देख चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

पतंग के साथ उड़ गया आदमी

श्रीलंका के जाफना में तेज हवा में पतंग आदमी को 40 फीट ऊपर उड़ा ले गई

कोलंबो। पतंगबाजी के शौक ने एक श्रीलंकाई की जान खतरे में डाल दी। वाकया 20 दिसंबर को जाफना में हुआ, जहां लोग पतंगबाजी कर रहे थे। एक बड़ी पतंग उड़ाने की कोशिश कर रहा व्यक्ति तेज हवा में पतंग के साथ ही करीब 40 फीट तक ऊपर उड़ गया।

इतनी ऊंचाई से गिरा, गंभीर चोट नहीं आई:- इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो अब वायरल हो चुका है। इसमें पतंग की डोर से लटका हुआ एक आदमी दिखाई दे रहा है, जिसका नाम नादरस मनोहरन है। मनोहरन लगातार हवा में ऊपर उठता जा रहा है। कुछ लोग उसके पीछे भागते हुए नजर आ रहे हैं। वो लटके हुए व्यक्ति से डोर छोड़ने को कह रहे हैं। काफी देर तक मनोहरन डोर से लटका रहा और जब उसके हाथ थक गए तो उसने डोर छोड़ दी। जमीन पर गिरने के बाद मनोहरन कुछ देर तक दर्द की वजह से वहीं पड़ा रहा। ताज्जुब की बात यह है कि कुछ देर बाद वह अपने साथियों के साथ टहलता हुआ वहां से निकल गया। मनोहरन को पेंट पेड्रो के अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

श्रीलंका में परंपरागत खेल है पतंगबाजी:- जाफना में थाई पोंगल पर पतंगबाजी की तैयारियां चल रही हैं, जो कि जनवरी के महीने में होना है। थाई पोंगल पर बड़ी तादाद में श्रीलंकाई दोस्तों और परिवार के साथ पतंगबाजी का लुत्फ उठाते हैं। यह यहां का परंपपरागत खेल है। अभी इसकी तैयारियां चल रही हैं। इसी दौरान मनोहरन के साथ यह हादसा हुआ। पिछले साल ताइवान में पतंग महोत्सव के दौरान एक बच्ची पतंग की पूंछ में फंस गई थी और हवा में उड़ने लगी। उसे बाद में बचा लिया गया। उसे मामूली चोट लगी है। कई बार गोता लगाने के बाद वह जब नीचे की तरफ आई तो लोगों ने उसे पकड़ लिया।

70000 सालों में पहली बार नासा को दिखी हरी पूंछ

वाशिंगटन। सूर्य की जांच करने वाले दो सैटेलाइट ने चमकीले हरे कॉमेट लियोनार्ड का अद्भुत वीडियो रेकॉर्ड किया है। यह धूमकेतु 70,000 साल में पहली बार पृथ्वी के निकट से गुजर रहा है। इस साल जनवरी में इसकी खोज की गई थी। इसके बाद से ही यह करीब 160,000 मील प्रति घंटे की रफ्तार से सूर्य और पृथ्वी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। बर्फ और धूल की यह विशालकाय गेंद करीब आधा मील (करीब 1 किमी) चौड़ी है। नासा के सोलर टेरेस्ट्रियल रिलेशंस ऑब्जर्वेटरी एस्पेसक्राफ्ट और यूरोपियन स्पेस एजेंसी के सोलर ऑर्बिटर ऑब्जर्वेटरी ने इसका वीडियो बनाया है। STEREO-A नवंबर से हरे धूमकेतु पर नजर बनाए हुए है। इसकी दर्जनों तस्वीरों की मदद से नासा की टीम एक शॉर्ट एनीमेशन बनाने में कामयाब हुई है। नासा ने धूमकेतु से निकलती रोशनी को दिखाने के लिए अलग-अलग तस्वीरें जारी की हैं। यह तब होता है जब यह गैस और पानी की बर्फ जैसी वाष्पशील सामग्री को बाहर की ओर फेंकता है जिससे इसकी चमक लगातार बदलती रहती है। ईएसए अंतरिक्ष यान और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने एक संयुक्त परियोजना, 17 से 19 दिसंबर के बीच, के तहत धूमकेतु का वीडियो कैप्चर किया है।

घाना की संसद में जूतम पैजार:बिल पर बहस के दौरान आपस में भिड़े सांसद, एक दूसरे को तमाचे जड़े

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज घाना

घाना की संसद में एक बिल पर बहस के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि जम कर लात घूंसे चले। इस जूतम पैजार का वीडियो सोशल मीडिया वायरल हा रहा है। हाथापाई की शुरुआत तब हुई जब इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट टैक्स बिल पर बहस के दौरान विपक्ष के सांसदों ने हंगामा करना शुरु कर दिया। विपक्षी सांसद हंगामा करते हुए चेयरमैन की कुर्सी के पास पहुंच गए और इसके बाद हाथापाई शुरु हो गई। जब सांसदों के बीच हाथपाई नहीं रुकी तो सिक्योरिटी में तैनात मार्शलों ने बीच आकर हालत संभालने की कोशिश की। मार्शलों के रोकने के बाद भी लड़ाई शांत नहीं हुई। हालांकि, कुछ सांसदों ने भी बीच बचाव करने की कोशिश की।

सरकार मोबाइल पेमेंट पर टैक्स लगाना चाहती है

घाना की सरकार ई पेमेंट, यानी मोबाइल

से होने वाले पेमेंट पर टैक्स लगाना चाहती है। इसके लिए वो सोमवार को संसद में बिल लेकर आई थी। मंगलवार को वोटिंग के दौरान इस बिल के समर्थन और विरोध में बराबर वोट पड़े जिसके बाद हंगामा शुरु हो गया। अगर यह बिल पास हो जाता तो लोगों को मोबाइल मनी पेमेंट ट्रांजेक्शन पर कुल बिल का 1.75 फीसदी टैक्स देना होता। विपक्ष का कहना है कि यह बिल कम आय वाले लोगों को ज्यादा परेशान करेगा।

जरूरी वोट 18 तारीख तक रोक गया

इस बिल को लेकर एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर यह पास हो गया तो, वो लोग जो मोबाइल मनी ट्रांसफर का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, वो इसे कम कर देंगे। इस बिल को संसद से पास होने के लिए 1 वोट की जरूरत है, लेकिन इस वोट को 18 जनवरी तक के लिए रोक दिया गया है। घाना अफ्रीका में स्थित एक देश है।

ओमिक्रॉन से लड़ने को हैं तैयार

कोरोना के नए वैरिएंट को रोकने के लिए एशिया-पैसेफिक ने कसी कमर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

यूरोप और अमेरिका में कोरोना लहर ने भीषण तबाही मचा दी है। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की वजह से खतरा और ज्यादा बढ़ गया है। वायरस की आउटब्रेक रफ्तार को देखते हुए दुनिया के दूसरे देशों ने भी सुरक्षा के लिए रणनीति तैयार करनी शुरु कर दी है।

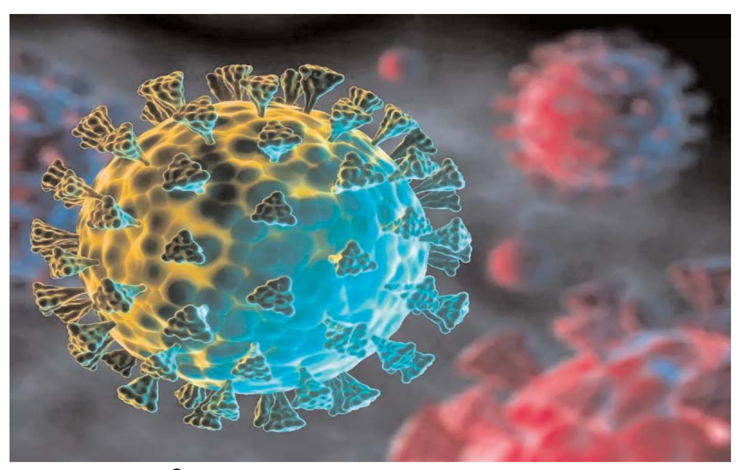

न्यूजीलैंड-

न्यूजीलैंड में अब तक ओमिक्रॉन के 22 केस मिले हैं, हालांकि कम्युनिटी स्प्रेड का कोई संकेत नहीं मिला। न्यूजीलैंड सरकार फरवरी के आखिर तक चरणबद्ध तरीके से देश की सीमाओं को खोलने पर विचार कर रही है। इसी के साथ लोगों को बूस्टर डोज देने पर भी जोर दिया जा रहा है।

भारत-

भारत ने वायरस को रोकने के लिए कोई नई घोषणा नहीं की है, लेकिन लोगों से सतर्क रहने के लिए कहा है। भारत में ओमिक्रॉन संक्रमितों का आंकड़ा 266 तक पहुंच गया है। इनमें से ज्यादातर लोग वह हैं जिन्होंने हाल ही में विदेश यात्रा की थी।

चीन

कोरोना के नए खतरे को देखते हुए चीन अपनी जीरो-कोरोना रणनीति पर और ज्यादा सख्ती से जोर दे रहा है। चीन के शिआन शहर में बुधवार को कोरोना के 52 नए मामले मिलने के बाद अधिकारियों ने सख्त लॉकडाउन का आदेश दिया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अफसर लेई झेंगलोंग ने चेतावनी जारी करते हुए लोगों को किसी भी तरह की लापरवाही से बचने की सलाह दी है।

जापान

जापान ने पिछले महीने से ही अपने यहां टूरिस्टों के आने पर रोक लगा दी है। वहीं थाईलैंड ने क्वारैंटाइन फ्री ट्रैवल प्रोग्राम को रोक दिया है। इंडोनेशिया ने भी यूरोप और अफ्रीका के देशों से ट्रैवल पर बैन लगा दिया है।

ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने एक बयान में कहा कि हमारा लॉकडाउन लगाने का कोई प्लान नहीं है। हम आम लोगों पर किसी तरह की रोक नहीं लगाएंगे।

ओमिक्रॉन पर नई रिसर्च डराने वाली

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन पर लगातार नई रिसर्च सामने आ रही हैं। एक रिसर्च में बताया गया है कि ओमिक्रॉन, डेल्टा वैरिएंट जितना ही खतरनाक है। ओमिक्रॉन से दोबारा संक्रमित होने का खतरा डेल्टा के मुकाबले 5.4 फीसदी ज्यादा है। इसके अलावा यह वैरिएंट वैक्सीन से बनने वाली एंटीबॉडी को भी चकमा देने में माहिर है।

एक्सपर्ट्स की चेतावनी

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओमिक्रॉन कोरोना के दूसरे वैरिएंट के साथ मिलकर एक नया स्ट्रेन तैयार कर सकता है। हाल ही में बिल गेट्स ने भी ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर चेतावनी दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने आशंका जताई है कि हम जल्द ही महामारी के सबसे बुरे दौर से गुजर सकते हैं।

बेल्जियम में व्यक्ति ने दूसरों को फर्जी सर्टिफिकेट दिलाने के लिए 8 बार डोज लगवाईं, कोई साइड इफेक्ट नहीं हुआ

बेल्जियम। पश्चिमी यूरोप के देश बेल्जियम में वैक्सीनेशन फर्जीवाड़े का अजीब मामला सामने आया है। यहां एक युवक को 8 बार वैक्सीन लगवाने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि युवक को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह 9वीं बार वैक्सीन लगवाने वैक्सीनेशन सेंटर पहुंचा था। अब तक उसके शरीर पर वैक्सीनेशन का कोई साइड इफेक्ट नजर नहीं आया है। यह अजीबो-गरीब केस वलून प्रांत के 2 लाख आबादी वाले शॉर्लरॉय शहर का है। यहां एक युवक को पैसे लेकर दूसरों के बदले वैक्सीन लगवाने के जुर्म में पकड़ा गया है। बेल्जियन मीडिया लावेनिर की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ऐसे लोगों के संपर्क करता था जिन्हें वैक्सीन लगवाए बिना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट चाहिए। ऐसे लोगों से मोटी रकम लेकर आरोपी उनकी जगह खुद वैक्सीन लगवाने चला जाता था। लगातार वैक्सीन लगवाने के कारण हेल्थ वर्कर्स 9वीं बार आने पर उसे पहचान गए और पुलिस को सूचना दे दी। बेल्जियम की पुलिस ने आरोपी के अलावा उन लोगों के नाम का भी खुलासा नहीं किया है, जिन्होंने आरोपी को वैक्सीन लगवाने के बदले पैसे दिए।

26 दिसंबर से बढ़ेगी सख्ती

ओमिक्रॉन के खतरे के बीच बेल्जियम में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए काफी कोशिशें की जा रही हैं। 26 दिसंबर से इंडोर मार्केट, सिनेमाघर, थियेटर्स और कॉन्सर्ट हॉल बंद कर दिए जाएंगे। स्पोर्ट्स के इवेंट होते रहेंगे, हालांकि दर्शकों की उपस्थिति प्रतिबंधित रहेगी। बेल्जियम के प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू का मानना है कि अगर कड़े प्रतिबंध से कोरोना कंट्रोल में आ जाता है तो 10 जनवरी 2022 से स्कूल फिर खोल दिए जाएंगे।

ज्वालामुखी में फिर विस्फोट

रीयूनियन आइलैंड; 1200 डिग्री सेल्सियस के लावे के साथ फूटे फव्वारे

भूकंप की आशंका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज पेरिस

हिंद महासागर में स्थित फ्रांस के रीयूनियन आइलैंड में पिटोन डे ला फोरनाइस (भट्?टी का शिखर) ज्वालामुखी में एक बार फिर विस्फोट होने लगे हैं। वैज्ञानिकों ने बताया है कि बुधवार को इससे 1200 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान का लावा निकल रहा है। खास बात ये है कि ज्वालामुखी में गैस की मात्रा और गर्मी इतनी ज्यादा हो गई है कि उसके मुहाने के साथ ही कई जगह से लावा निकलना शुरू हो गया है। इस स्थिति को फिशर वेंट कहा जाता है। इन हालात में ज्वालामुखी के क्षेत्र से कई स्थानों से एक साथ लावा, गैस और राख फव्वारों के रूप में बाहर आने लगती है। ताजा विस्फोट में ज्वालामुखी के दक्षिणी ढलान पर कम से कम 7 जगह लावा निकल रहा है। स्थानीय वेधशाला की ओर से कहा गया है कि इस ज्वालामुखी में आखिरी बार विस्फोट 8 महीने पहले 9 अप्रैल को हुआ था। तब इससे निकला लावा दक्षिणी ढलान पर पहुंच गया था। साल में दो बार इसमें विस्फोट के बाद लावा निकलता है। यह दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी में से एक है। अच्छी बात ये है कि ज्वालामुखी के क्षेत्र में सालों पहले बसाहट खत्म हो चुकी है, जिससे जानमाल को नुकसान की आशंका नहीं है।

5 लाख साल पहले उभरा

ये फ्रांसीसी ज्वालामुखी 5 लाख साल पहले उभरा था। बाद में कई हजार साल तक शांत रहा। फिर इसमें विस्फोट होने लगे। हाल में बीते दो दशक से यह लगातार सक्रिय है। ताजा विस्फोट के चलते भूकंप की आशंका जताई गई है।

नई दिल्ली में दिवंगत प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित समारोह के दौरान बीकेयू प्रवक्ता राकेश टिकैत।

बच्चों को उग्र बना रहे आर्टिफिशियल फूड कलर

इन्हें बंद करने पर व्यवहार में सुधार हुआ, तो अमेरिका में डाई-फ्री डाइट मुहिम शुरू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

पहली क्लास में पढ़ने वाले इवान की शैतानियां बढ़ती जा रही थीं। वह जरा सी बात पर गुस्सा हो जाता था। माता-पिता समझाते तो उग्र हो जाता। उताह के रॉय शहर में रहने वाला स्नो परिवार सबसे छोटे बेटे इवान के चलते कोई आयोजन भी नहीं कर पाता था। उसके दोस्त भी नहीं बनते थे। मां एमिली ने तो इनाम रख दिया था कि जिस दिन इवान अच्छे से रहेगा, उसे पसंदीदा रेड कैंडी मिलेगी। हालांकि वो कभी भी इनाम ले नहीं पाया। पर पिछले कुछ वक्त में उसके व्यवहार में आश्चर्यजनक बदलाव आया है। उसे दवा और वीकली थेरेपी की जरूरत भी नहीं पड़ती। यह संभव हुआ है आर्टिफिशियल कलर वाले खानपान पर पाबंदी से। एमिली बताती हैं, कई तरह के न्यूरोसाइकोलॉजिकल टेस्ट और हजारों डॉलर के खर्च के बावजूद वो नतीजे नहीं मिल पाए, जो उसकी डाइट में बदलाव से सिर्फ चार हफ्तों में ही मिले।

सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में डाई-फ्री डाइट ग्रुप बने

स्नो परिवार अकेला नहीं है, पूरे अमेरिका में अब लोग बच्चों के खाने से आर्टिफिशियल कलर्स हटाने का समर्थन करने लगे हैं। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में डाई-फ्री डाइट ग्रुप बन गए हैं। कई में 10 हजार सदस्य हैं। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद बॉब वीकोवस्की एक बिल लेकर आए हैं, जिसमें खाने की चीजों पर चेतावनी देने की सिफारिश की है। 2023 से इसके लागू होने की उम्मीद है। उन्होंने अमेरिकी एन्वार्यनमेंटल हेल्थ हजार्ड असेसमेंट ऑफिस की स्टडी के आधार पर दावा किया है कि फूड कलर्स बच्चों को प्रभावित करते हैं। इसलिए माता-पिता को जानकारी जरूर दी जानी चाहिए। यह स्टडी 1970 से बड़े पैमाने पर जारी थी। विश्लेषण से यह पता चला कि खाने के रंगों व बच्चों के व्यवहार में संबंध हैं। दरअसल अमेरिकी बच्चों व किशोरों में एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी सिंड्रोम) के मामले 1997 में 6.1 फीसदी से बढ़कर 2016 में 10.2 फीसदी हो गए हैं। इसी को समझने के लिए स्टडी की गई।

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत मुंबई में किसानों के विरोध पर एक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में मुंबई पुलिस के सामने पेश हुईं।

न्यूज ब्रीफ

पतंग के साथ उड़ गया आदमी

श्रीलंका के जाफना में तेज हवा में पतंग आदमी को 40 फीट ऊपर उड़ा ले गई

कोलंबो। पतंगबाजी के शौक ने एक श्रीलंकाई की जान खतरे में डाल दी। वाकया 20 दिसंबर को जाफना में हुआ, जहां लोग पतंगबाजी कर रहे थे। एक बड़ी पतंग उड़ाने की कोशिश कर रहा व्यक्ति तेज हवा में पतंग के साथ ही करीब 40 फीट तक ऊपर उड़ गया।

इतनी ऊंचाई से गिरा, गंभीर चोट नहीं आई:- इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो अब वायरल हो चुका है। इसमें पतंग की डोर से लटका हुआ एक आदमी दिखाई दे रहा है, जिसका नाम नादरस मनोहरन है। मनोहरन लगातार हवा में ऊपर उठता जा रहा है। कुछ लोग उसके पीछे भागते हुए नजर आ रहे हैं। वो लटके हुए व्यक्ति से डोर छोड़ने को कह रहे हैं। काफी देर तक मनोहरन डोर से लटका रहा और जब उसके हाथ थक गए तो उसने डोर छोड़ दी। जमीन पर गिरने के बाद मनोहरन कुछ देर तक दर्द की वजह से वहीं पड़ा रहा। ताज्जुब की बात यह है कि कुछ देर बाद वह अपने साथियों के साथ टहलता हुआ वहां से निकल गया। मनोहरन को पेंट पेड्रो के अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

श्रीलंका में परंपरागत खेल है पतंगबाजी:- जाफना में थाई पोंगल पर पतंगबाजी की तैयारियां चल रही हैं, जो कि जनवरी के महीने में होना है। थाई पोंगल पर बड़ी तादाद में श्रीलंकाई दोस्तों और परिवार के साथ पतंगबाजी का लुत्फ उठाते हैं। यह यहां का परंपपरागत खेल है। अभी इसकी तैयारियां चल रही हैं। इसी दौरान मनोहरन के साथ यह हादसा हुआ। पिछले साल ताइवान में पतंग महोत्सव के दौरान एक बच्ची पतंग की पूंछ में फंस गई थी और हवा में उड़ने लगी। उसे बाद में बचा लिया गया। उसे मामूली चोट लगी है। कई बार गोता लगाने के बाद वह जब नीचे की तरफ आई तो लोगों ने उसे पकड़ लिया।

70000 सालों में पहली बार नासा को दिखी हरी पूंछ

वाशिंगटन। सूर्य की जांच करने वाले दो सैटेलाइट ने चमकीले हरे कॉमेट लियोनार्ड का अद्भुत वीडियो रेकॉर्ड किया है। यह धूमकेतु 70,000 साल में पहली बार पृथ्वी के निकट से गुजर रहा है। इस साल जनवरी में इसकी खोज की गई थी। इसके बाद से ही यह करीब 160,000 मील प्रति घंटे की रफ्तार से सूर्य और पृथ्वी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। बर्फ और धूल की यह विशालकाय गेंद करीब आधा मील (करीब 1 किमी) चौड़ी है। नासा के सोलर टेरेस्ट्रियल रिलेशंस ऑब्जर्वेटरी एस्पेसक्राफ्ट और यूरोपियन स्पेस एजेंसी के सोलर ऑर्बिटर ऑब्जर्वेटरी ने इसका वीडियो बनाया है। STEREO-A नवंबर से हरे धूमकेतु पर नजर बनाए हुए है। इसकी दर्जनों तस्वीरों की मदद से नासा की टीम एक शॉर्ट एनीमेशन बनाने में कामयाब हुई है। नासा ने धूमकेतु से निकलती रोशनी को दिखाने के लिए अलग-अलग तस्वीरें जारी की हैं। यह तब होता है जब यह गैस और पानी की बर्फ जैसी वाष्पशील सामग्री को बाहर की ओर फेंकता है जिससे इसकी चमक लगातार बदलती रहती है। ईएसए अंतरिक्ष यान और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने एक संयुक्त परियोजना, 17 से 19 दिसंबर के बीच, के तहत धूमकेतु का वीडियो कैप्चर किया है।

घाना की संसद में जूतम पैजार:बिल पर बहस के दौरान आपस में भिड़े सांसद, एक दूसरे को तमाचे जड़े

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज घाना

घाना की संसद में एक बिल पर बहस के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि जम कर लात घूंसे चले। इस जूतम पैजार का वीडियो सोशल मीडिया वायरल हा रहा है। हाथापाई की शुरुआत तब हुई जब इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट टैक्स बिल पर बहस के दौरान विपक्ष के सांसदों ने हंगामा करना शुरु कर दिया। विपक्षी सांसद हंगामा करते हुए चेयरमैन की कुर्सी के पास पहुंच गए और इसके बाद हाथापाई शुरु हो गई। जब सांसदों के बीच हाथपाई नहीं रुकी तो सिक्योरिटी में तैनात मार्शलों ने बीच आकर हालत संभालने की कोशिश की। मार्शलों के रोकने के बाद भी लड़ाई शांत नहीं हुई। हालांकि, कुछ सांसदों ने भी बीच बचाव करने की कोशिश की।

सरकार मोबाइल पेमेंट पर टैक्स लगाना चाहती है

घाना की सरकार ई पेमेंट, यानी मोबाइल से होने वाले पेमेंट पर टैक्स लगाना चाहती है। इसके लिए वो सोमवार को संसद में बिल लेकर आई थी। मंगलवार को वोटिंग के दौरान इस बिल के समर्थन और विरोध में बराबर वोट पड़े जिसके बाद हंगामा शुरु हो गया। अगर यह बिल पास हो जाता तो लोगों को मोबाइल मनी पेमेंट ट्रांजेक्शन पर कुल बिल का 1.75 फीसदी टैक्स देना होता। विपक्ष का कहना है कि यह बिल कम आय वाले लोगों को ज्यादा परेशान करेगा।

जरूरी वोट 18 तारीख तक रोक गया

इस बिल को लेकर एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर यह पास हो गया तो, वो लोग जो मोबाइल मनी ट्रांसफर का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, वो इसे कम कर देंगे। इस बिल को संसद से पास होने के लिए 1 वोट की जरूरत है, लेकिन इस वोट को 18 जनवरी तक के लिए रोक दिया गया है। घाना अफ्रीका में स्थित एक देश है।

ओमिक्रॉन से लड़ने को हैं तैयार

कोरोना के नए वैरिएंट को रोकने के लिए एशिया-पैसेफिक ने कसी कमर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

यूरोप और अमेरिका में कोरोना लहर ने भीषण तबाही मचा दी है। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की वजह से खतरा और ज्यादा बढ़ गया है। वायरस की आउटब्रेक रफ्तार को देखते हुए दुनिया के दूसरे देशों ने भी सुरक्षा के लिए रणनीति तैयार करनी शुरु कर दी है।

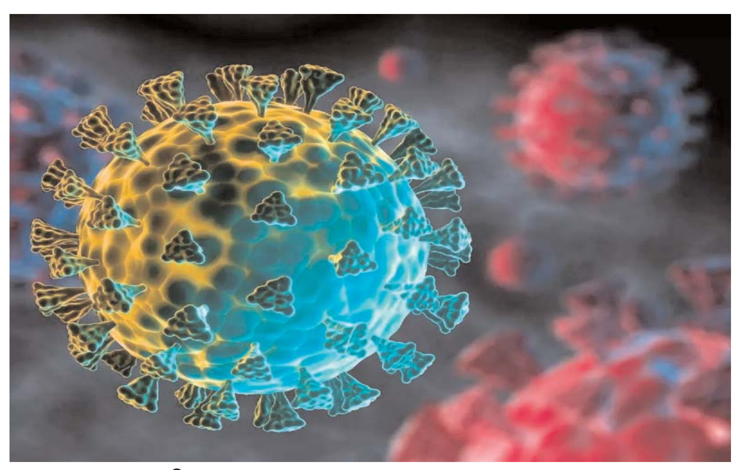

न्यूजीलैंड-

न्यूजीलैंड में अब तक ओमिक्रॉन के 22 केस मिले हैं, हालांकि कम्युनिटी स्प्रेड का कोई संकेत नहीं मिला। न्यूजीलैंड सरकार फरवरी के आखिर तक चरणबद्ध तरीके से देश की सीमाओं को खोलने पर विचार कर रही है। इसी के साथ लोगों को बूस्टर डोज देने पर भी जोर दिया जा रहा है।

भारत-

भारत ने वायरस को रोकने के लिए कोई नई घोषणा नहीं की है, लेकिन लोगों से सतर्क रहने के लिए कहा है। भारत में ओमिक्रॉन संक्रमितों का आंकड़ा 266 तक पहुंच गया है। इनमें से ज्यादातर लोग वह हैं जिन्होंने हाल ही में विदेश यात्रा की थी।

चीन

कोरोना के नए खतरे को देखते हुए चीन अपनी जीरो-कोरोना रणनीति पर और ज्यादा सख्ती से जोर दे रहा है। चीन के शिआन शहर में बुधवार को कोरोना के 52 नए मामले मिलने के बाद अधिकारियों ने सख्त लॉकडाउन का आदेश दिया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अफसर लेई झेंगलोंग ने चेतावनी जारी करते हुए लोगों को किसी भी तरह की लापरवाही से बचने की सलाह दी है।

जापान

जापान ने पिछले महीने से ही अपने यहां टूरिस्टों के आने पर रोक लगा दी है। वहीं थाईलैंड ने क्वारैंटाइन फ्री ट्रैवल प्रोग्राम को रोक दिया है। इंडोनेशिया ने भी यूरोप और अफ्रीका के देशों से ट्रैवल पर बैन लगा दिया है।

ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने एक बयान में कहा कि हमारा लॉकडाउन लगाने का कोई प्लान नहीं है। हम आम लोगों पर किसी तरह की रोक नहीं लगाएंगे।

ओमिक्रॉन पर नई रिसर्च डराने वाली

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन पर लगातार नई रिसर्च सामने आ रही हैं। एक रिसर्च में बताया गया है कि ओमिक्रॉन, डेल्टा वैरिएंट जितना ही खतरनाक है। ओमिक्रॉन से दोबारा संक्रमित होने का खतरा डेल्टा के मुकाबले 5.4 फीसदी ज्यादा है। इसके अलावा यह वैरिएंट वैक्सीन से बनने वाली एंटीबॉडी को भी चकमा देने में माहिर है।

एक्सपर्ट्स की चेतावनी

एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओमिक्रॉन कोरोना के दूसरे वैरिएंट के साथ मिलकर एक नया स्ट्रेन तैयार कर सकता है। हाल ही में बिल गेट्स ने भी ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर चेतावनी दी है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने आशंका जताई है कि हम जल्द ही महामारी के सबसे बुरे दौर से गुजर सकते हैं।

बेल्जियम में व्यक्ति ने दूसरों को फर्जी सर्टिफिकेट दिलाने के लिए 8 बार डोज लगवाईं, कोई साइड इफेक्ट नहीं हुआ

बेल्जियम। पश्चिमी यूरोप के देश बेल्जियम में वैक्सीनेशन फर्जीवाड़े का अजीब मामला सामने आया है। यहां एक युवक को 8 बार वैक्सीन लगवाने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि युवक को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह 9वीं बार वैक्सीन लगवाने वैक्सीनेशन सेंटर पहुंचा था। अब तक उसके शरीर पर वैक्सीनेशन का कोई साइड इफेक्ट नजर नहीं आया है। यह अजीबो-गरीब केस वलून प्रांत के 2 लाख आबादी वाले शॉर्लरॉय शहर का है। यहां एक युवक को पैसे लेकर दूसरों के बदले वैक्सीन लगवाने के जुर्म में पकड़ा गया है। बेल्जियन मीडिया लावेनिर की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ऐसे लोगों के संपर्क करता था जिन्हें वैक्सीन लगवाए बिना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट चाहिए। ऐसे लोगों से मोटी रकम लेकर आरोपी उनकी जगह खुद वैक्सीन लगवाने चला जाता था। लगातार वैक्सीन लगवाने के कारण हेल्थ वर्कर्स 9वीं बार आने पर उसे पहचान गए और पुलिस को सूचना दे दी। बेल्जियम की पुलिस ने आरोपी के अलावा उन लोगों के नाम का भी खुलासा नहीं किया है, जिन्होंने आरोपी को वैक्सीन लगवाने के बदले पैसे दिए।

26 दिसंबर से बढ़ेगी सख्ती

ओमिक्रॉन के खतरे के बीच बेल्जियम में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए काफी कोशिशें की जा रही हैं। 26 दिसंबर से इंडोर मार्केट, सिनेमाघर, थियेटर्स और कॉन्सर्ट हॉल बंद कर दिए जाएंगे। स्पोर्ट्स के इवेंट होते रहेंगे, हालांकि दर्शकों की उपस्थिति प्रतिबंधित रहेगी। बेल्जियम के प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू का मानना है कि अगर कड़े प्रतिबंध से कोरोना कंट्रोल में आ जाता है तो 10 जनवरी 2022 से स्कूल फिर खोल दिए जाएंगे।

ज्वालामुखी में फिर विस्फोट

रीयूनियन आइलैंड; 1200 डिग्री सेल्सियस के लावे के साथ फूटे फव्वारे

भूकंप की आशंका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज पेरिस

हिंद महासागर में स्थित फ्रांस के रीयूनियन आइलैंड में पिटोन डे ला फोरनाइस (भट्?टी का शिखर) ज्वालामुखी में एक बार फिर विस्फोट होने लगे हैं। वैज्ञानिकों ने बताया है कि बुधवार को इससे 1200 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान का लावा निकल रहा है। खास बात ये है कि ज्वालामुखी में गैस की मात्रा और गर्मी इतनी ज्यादा हो गई है कि उसके मुहाने के साथ ही कई जगह से लावा निकलना शुरू हो गया है। इस स्थिति को फिशर वेंट कहा जाता है। इन हालात में ज्वालामुखी के क्षेत्र से कई स्थानों से एक साथ लावा, गैस और राख फव्वारों के रूप में बाहर आने लगती है। ताजा विस्फोट में ज्वालामुखी के दक्षिणी ढलान पर कम से कम 7 जगह लावा निकल रहा है। स्थानीय वेधशाला की ओर से कहा गया है कि इस ज्वालामुखी में आखिरी बार विस्फोट 8 महीने पहले 9 अप्रैल को हुआ था। तब इससे निकला लावा दक्षिणी ढलान पर पहुंच गया था। साल में दो बार इसमें विस्फोट के बाद लावा निकलता है। यह दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी में से एक है। अच्छी बात ये है कि ज्वालामुखी के क्षेत्र में सालों पहले बसाहट खत्म हो चुकी है, जिससे जानमाल को नुकसान की आशंका नहीं है।

5 लाख साल पहले उभरा

ये फ्रांसीसी ज्वालामुखी 5 लाख साल पहले उभरा था। बाद में कई हजार साल तक शांत रहा। फिर इसमें विस्फोट होने लगे। हाल में बीते दो दशक से यह लगातार सक्रिय है। ताजा विस्फोट के चलते भूकंप की आशंका जताई गई है।

नई दिल्ली में दिवंगत प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित समारोह के दौरान बीकेयू प्रवक्ता राकेश टिकैत।

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत मुंबई में किसानों के विरोध पर एक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में मुंबई पुलिस के सामने पेश हुईं।

बच्चों को उग्र बना रहे आर्टिफिशियल फूड कलर

इन्हें बंद करने पर व्यवहार में सुधार हुआ, तो अमेरिका में डाई-फ्री डाइट मुहिम शुरू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

पहली क्लास में पढ़ने वाले इवान की शैतानियां बढ़ती जा रही थीं। वह जरा सी बात पर गुस्सा हो जाता था। माता-पिता समझाते तो उग्र हो जाता। उताह के रॉय शहर में रहने वाला स्नो परिवार सबसे छोटे बेटे इवान के चलते कोई आयोजन भी नहीं कर पाता था। उसके दोस्त भी नहीं बनते थे। मां एमिली ने तो इनाम रख दिया था कि जिस दिन इवान अच्छे से रहेगा, उसे पसंदीदा रेड कैंडी मिलेगी। हालांकि वो कभी भी इनाम ले नहीं पाया। पर पिछले कुछ वक्त में उसके व्यवहार में आश्चर्यजनक बदलाव आया है। उसे दवा और वीकली थेरेपी की जरूरत भी नहीं पड़ती। यह संभव हुआ है आर्टिफिशियल कलर वाले खानपान पर पाबंदी से। एमिली बताती हैं, कई तरह के न्यूरोसाइकोलॉजिकल टेस्ट और हजारों डॉलर के खर्च के बावजूद वो नतीजे नहीं मिल पाए, जो उसकी डाइट में बदलाव से सिर्फ चार हफ्तों में ही मिले।

सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में डाई-फ्री डाइट ग्रुप बने

स्नो परिवार अकेला नहीं है, पूरे अमेरिका में अब लोग बच्चों के खाने से आर्टिफिशियल कलर्स हटाने का समर्थन करने लगे हैं। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में डाई-फ्री डाइट ग्रुप बन गए हैं। कई में 10 हजार सदस्य हैं। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद बॉब वीकोवस्की एक बिल लेकर आए हैं, जिसमें खाने की चीजों पर चेतावनी देने की सिफारिश की है। 2023 से इसके लागू होने की उम्मीद है। उन्होंने अमेरिकी एन्वार्यनमेंटल हेल्थ हजार्ड असेसमेंट ऑफिस की स्टडी के आधार पर दावा किया है कि फूड कलर्स बच्चों को प्रभावित करते हैं। इसलिए माता-पिता को जानकारी जरूर दी जानी चाहिए। यह स्टडी 1970 से बड़े पैमाने पर जारी थी। विश्लेषण से यह पता चला कि खाने के रंगों व बच्चों के व्यवहार में संबंध हैं। दरअसल अमेरिकी बच्चों व किशोरों में एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी सिंड्रोम) के मामले 1997 में 6.1 फीसदी से बढ़कर 2016 में 10.2 फीसदी हो गए हैं। इसी को समझने के लिए स्टडी की गई।

न्यूज ब्रीफ

मैनचेस्टर सिटी के फुटबॉलर मेंडी पर 6 महिलाओं ने लगाया बलात्कार का आरोप

चेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी बेंजामिन मेंडी पर बलात्कार का एक और आरोप लगाया गया है। फ्रांस की विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे मेंडी पर पांच अलग महिलाओं ने आठ आरोप लगाए हैं जिसमें चार महिलाओं से जुड़े बलात्कार के सात आरोप भी शामिल हैं। अगले साल होने वाले ट्रायल से पहले मेंडी चेस्टर क्राऊन कोर्ट में सुनवाई के लिए पेश हुए। इससे पहले मेंडी पर कथित तौर पर अक्टूबर 2020 में बलात्कार के 3 आरोप, इस साल जनवरी में गलत इरादे से छूने का आरोप, जुलाई में बलात्कार का आरोप और इसके अगले महीने बलात्कार के दो आरोप लगे थे। 27 साल के मेंडी को अगस्त में सिटी ने निलंबित कर दिया था जब उन पर पहली बार आरोप लगाए गए थे। मेंडी को जमानत नहीं मिली है और उन्हें लीवरपूल में जेल में रखा गया है। वह 2017 में सिटी से जुड़े थे। वह तीन बार प्रीमियर लीग और दो बार इंग्लिश लीग कप जीतने वाली सिटी की टीम का हिस्सा रहे।

म.प्र. घुड़सवारी अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते तीन रजत पदक

मुम्बई के एम्योच्योर रायडिंग क्लब (एआरसी) में 17 से 30 दिसम्बर, 2021 तक खेली जा रही जूनियर नेशनल इक्वेस्ट्रियन चैम्पियनशिप-2021 में मप्र राज्य घुड़सवारी अकादमी के खिलाड़ियों ने तीन रजत पदक अर्जित कर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

इन खिलाड़ियों ने जीते पदक

अकादमी के खिलाड़ी अर्जुन मलैया ने ग्रुप-1 जम्पिंग की व्यक्तिगत स्पर्धा में एक रजत पदक अर्जित किया। जबकि ग्रुप-1 जम्पिंग टीम स्पर्धा में अकादमी के घुड़सवारों ने बेहतर प्रदर्शन कर रजत पदक जीता। टीम में मो. हमजा अकील ने अमारा अश्व, अर्जुन मलैया ने रॉकफिलर अश्व, अर्जुन सिंह ने प्रताप अश्व और कृष्णा ने अरेबिया अश्व पर बैठकर यह उपलब्धि हासिल की।

चैम्पियनशिप के ग्रुप-1 डेऊसाज इवेन्ट में अकादमी के खिलाड़ियों की टीम ने रजत पदक अर्जित किया। टीम में अर्जुन मलैया ने राकफिलर अश्व, अर्जुन सिंह ने आर्मिकेसिनी अश्व, कृष्णा ने अमिगो अश्व और मो. हमजा अकील ने अमारा अश्व पर बैठकर यह पदक अर्जित किया।

क्या टीम इंडिया को कोरोना से खतरा नहीं : संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर नहीं होना होगा आइसोलेट, जब चाहे SA से भारत आ सकते हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज 26 दिसंबर से शुरू हो रहा है। साउथ अफ्रीका में हर दिन कोरोना का खतरा बढ़ते जा रहा है। ऐसे में साउथ अफ्रीका क्रिकेट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी शुएब मांजरा ने कहा है कि अगर टीम इंडिया को लगता है कि उन्हें घर जाने की आवश्यकता है तो फिर टीम को तुरंत स्वदेश लौटने की अनुमति होगी। सीमाएं बंद हैं तो भी सरकार ने गारंटी दी है कि वे भारत वापस जा सकते हैं।

ये कैसा नियम

शुएब ने जो आगे कहा वो कोरोना को लेकर टीम इंडिया के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर टीम इंडिया या फिर मैनेजमेंट का कोई सदस्य कोरोना संक्रमित पाया जाता है तो हॉस्पिटल में उसके लिए बेड की व्यवस्था है। वहीं, करीबी संपर्क में आने वाले व्यक्तियों को कोरोना टेस्ट में निगेटिव आने के बाद आइसोलेशन की आवश्यकता नहीं होगी। अगर खिलाड़ी या फिर मैनेजमेंट का कोई भी व्यक्ति आइसोलेट नहीं होगा तो ये बड़ा खतरा है। दोनों क्रिकेट बोर्ड का ये फैसला समझ से परे है। शुएब ने कहा, हम नियमित रूप से अधिकारियों और साउथ अफ्रीका में भारतीय टीम प्रबंधन के संपर्क में हैं। टीम बहुत आराम से रह रही है। जैसा कि अब घोषणा हो गई है कि सीरीज बंद दरवाजों के पीछे होगी तो किसी भी प्रकार का खतरा और कम हो जाता है।

बुक किया है पूरा रिजॉर्ट

टीम इंडिया के लिए साउथ अफ्रीका बोर्ड ने पूरा रिजॉर्ट बुक किया है। यहां तक कि बाहर का खाना भी बबल के अंदर नहीं जा सकता है और लगातार खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के कोरोना टेस्ट हो रहे हैं। इतना ही नहीं टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए दर्शकों को भी स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति भी नहीं दी गई है। इसके बावजूद भी अगर भारतीय टीम की स्वदेश लौटने की होती है तो साउथ अफ्रीका की सरकार इसकी अनुमति देगी।

कप्तानी विवाद पर वेंगसरकर कोहली के साथ:पूर्व सिलेक्टर ने कहा-

कप्तानों को बेवजह हटाना बीसीसीआई की पुरानी आदत, विराट बेहतर विदाई के हकदार थे

दादा से दादागीरी

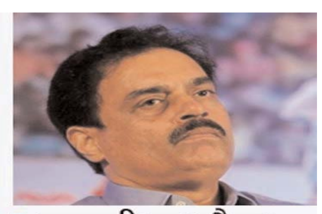

कप्तानी पर सौरव के बोलने का कोई मतलब नहीं, वे तो BCCI अध्यक्ष हैं। चयन और कप्तानी पर चीफ सिलेक्टर को आकर बयान देना चाहिए।

दिलीप वेंगसरकर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बीसीसीआई और विराट कोहली के बीच चल रहे कप्तानी विवाद में विराट को पूर्व सिलेक्टर दिलीप वेंगसरकर का साथ मिल रहा है। दिलीप वेंगसरकर ने कहा कि भारतीय टीम के कप्तानों को बेवजह हटा देना तो बीसीसीआई की पुरानी आदत रही है। विराट के प्रदर्शन को देखते हुए वे बेहतर विदाई के हकदार थे। खलीज टाइम्स को दिए इंटरव्यू में वेंगसकर ने कहा, चयन समिति की ओर से गांगुली के बोलने का कोई मतलब नहीं था। गांगुली बीसीसीआई के अध्यक्ष हैं। भारतीय टीम में चयन और कप्तानी के विवाद पर चीफ सिलेक्टर को सामने आकर बयान देना चाहिए। दिलीप वेंगसकर का निकनेम कर्नल है। 1975 में ईरानी ट्रॉफी में शेष भारत के खिलाफ मुंबई की ओर से खेलते हुए उन्होंने शतक जड़ा था। उसके बाद ही एक स्थानीय पत्रकार ने उन्हें यह नाम दिया था। वेंगसरकर ने नागपुर में बिशन सिंह बेदी और प्रसन्ना की गेंदों पर खूब अच्छी बल्लेबाजी की थी।

दादा से दिलीप की दादागीरी

इंटरव्यू में वेंगसरकर ने कई मुद्दों पर खुलकर दादा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा,%गांगुली ने पूरे मामले पर अपनी राय रखी। इसी कारण विराट भी अपनी बात स्पष्ट करना चाहते थे। मेरा मानना है कि ये चयन समिति के अध्यक्ष और कप्तान के बीच का मामला था। चयन समिति द्वारा एक कप्तान को चुना या हटाया जाता है, ये गांगुली के अधिकार क्षेत्र में नहीं है विराट ने भारतीय क्रिकेट और अपने देश के लिए अहम योगदान दिया है और वो एक बेहतर विदाई के हकदार थे। भारतीय कप्तानों को बेवजह हटाना बोर्ड की पुरानी परंपरा है। इसको बदलने की जरूरत है।

कप्तानी विवाद पर कोहली-गांगुली आमने-सामने

विराट कोहली को वनडे कप्तानी से हटाए जाने पर विवाद अभी थमा नहीं है। साउथ अफ्रीका रवाना होने से पहले टेस्ट टीम के कप्तान विराट ने कहा था कि वे वनडे में भी कप्तानी करना चाहते थे, लेकिन बोर्ड ने उन्हें टेस्ट टीम के चयन से महज डेढ़ घंटे पहले वनडे की कप्तानी से हटाए जाने की जानकारी दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि टी-20 की कप्तानी छोड़ने के उनके फैसले से बोर्ड को कोई परेशानी नहीं थी। जबकि इस बयान से पहले गांगुली ने कहा था कि बोर्ड ने उन्हें टी-20 की कप्तानी छोड़ने से रोका था। इस समय टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। टेस्ट में कोहली टीम के कप्तान हैं। 26 दिसंबर से पहला टेस्ट मैच खेला जाना है। जिस तरह के फोटो और वीडियो अफ्रीकी सीरीज से सामने आ रहे हैं। उससे ये लग रहा है कि टीम में अभी सब ठीक चल रहा है। इस मुद्दे पर आगे क्या होगा ये तो वक्त ही बताएगा।

म.प्र. राज्य पुरूष क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी हिमांशु शिंदे का रणजी टीम में चयन

खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने दी बधाई और शुभकामना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज

खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा शिवपुरी में संचालित म.प्र. राज्य पुरूष क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी हिमांशु शिन्दे का चयन मध्य प्रदेश रणजी टीम में हुआ है। हिमांशु वर्ष 2012-13 से निरंतर क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। अकादमी के एक अन्य खिलाड़ी यश पाटीदार अंडर-19 में वीनू मांकड, कूच बिहार ट्राफी सूरत में प्रतिभागिता कर रहे है।

उल्लेखनीय है कि हिमांशु शिन्दे ने राज सिंह डूंगर, ऑल इंडिया समर ट्राफी, सी.के. नायडू ट्राफी, राष्ट्रीय स्तर पर स्कूल गेम्स ऑफ फेडरेशन, अंडर-23 एम.पी. कैम्प, सीनियर डिविजन आदि टूर्नामेंटों में भी सहभागिता कर चुके है। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी डॉ. के.के. खरे ने बताया कि हिमांशु शिन्दे विगत 9 वर्षों से निरंतर शिवपूरी क्रिकेट अकादमी में रहकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है और वर्तमान में अकादमी के प्रशिक्षक श्री अरूण कुमार सिंह के मार्गदर्शन में अपनी प्रतिभा को निखार रहे है।

खेल मंत्री ने दी बधाई और शुभकामना

प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने क्रिकेट अकादमी शिवपुरी के खिलाड़ी हिमांशु शिन्दे के मध्य प्रदेश रणजी टीम में चयन होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामना दी है।

चंडीगढ़, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और ओडिशा ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर जीत दर्ज कर हॉकी इंडिया जूनियर पुरूष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंतिम चार में ओडिशा का सामना चंडीगढ़ से होगा जबकि उत्तर प्रदेश की भिड़ंत हरियाणा से होगी। बुधवार को पहले क्वार्टर फाइनल में चंडीगढ़ ने पंजाब को 3-2 से शिकस्त दी। विजेता टीम के लिये रोहित ने 44वें और 51वें मिनट में दो गोल दागे जबकि सुमित ने आठवें मिनट में गोल किया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

पटेल के साथ नाइंसाफी हुई : पूरी टीम इंडिया को आउट करने वाला स्पिनर न्यूजीलैंड टेस्ट टीम में नहीं, सिलेक्टर्स ने परिस्थितियों का हवाला दिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

भारत के खिलाफ मुंबई टेस्ट में 10 विकेट लेकर इतिहास रचने वाले एजाज पटेल को न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश बीच टेस्ट सीरीज होनी है। बुधवार को इस सीरीज के लिए टीम की घोषणा की गई। टीम में एजाज पटेल का नाम नहीं था। वह भारत के खिलाफ एक पारी में 10 विकेट लेने वाले क्रिकेट इतिहास के सिर्फ तीसरे गेंदबाज हैं। सिलेक्टर्स ने न्यूजीलैंड में होने वाली इस टेस्ट सीरीज के लिए एजाज पटेल को टीम में न शामिल करने का अजीब तर्क दिया है। उनका मानना है कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियों की वजह से एजाज को टीम में शामिल नहीं किया गया, जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व टेस्ट कैप्टन और लेफ्ट हैंड स्पिनर डेनियल विटोरी शायद ही कभी घरेलू सीरीज में टीम से बाहर रहे हों।

सिलेक्टर्स बोले- फैसला अजीब लग सकता है

न्यूजीलैंड के हेड कोच गैरी स्टीड ने कहा, %एजाज पटेल ने भारत में जिस तरह से प्रदर्शन किया, वो कमाल था। इसके बावजूद टीम में उनको जगह ना मिलने से लोगों को थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन हमने हमेशा ही परिस्थितियों के हिसाब से टीम चुनने में यकीन किया है। हमें बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलनी है और इसमें एजाज को मुश्किल से ही प्लेइंग इलेवन में जगह मिल पाती। इसलिए ये फैसला लेना पड़ा।

जनवरी में बांग्लादेश न्यूजीलैंड में खेलेगी टेस्ट सीरीज

न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच एक जनवरी 2022 से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। इस सीरीज के लिए कीवी टीम के 17 खिलाड़ियों को चुना गया है। केन विलियम्सन भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। टॉम लाथम न्यूजीलैंड टीम के कप्तान होंगे। विलियम्सन चोटिल हैं। न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में डेवोन कॉनवे की वापसी हुई है। भारतीय मूल के रचिन रवींद्र टीम में एकमात्र स्पिनर हैं। एजाज इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज जिम लेकर (1956) और पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले (1999) के बाद एक पारी के सभी 10 विकेट लेने वाले दुनिया के सिर्फ तीसरे बॉलर बने थे।

न्यूज़ ब्रीफ

सिटी गैस लाइसेंस के लिए आईओसी, अडाणी टोटल गैस ने लगाई सर्वाधिक बोली

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और उद्योगपति गौतम अडाणी की गैस कंपनी तथा फ्रांस की कंपनी टोटल के संयुक्त उपक्रम 'अडाणी टोटल गैस लिमिटेड' ने वाहनों के लिए सीएनजी की खुदरा बिक्री और घरों में पाइपलाइन के जरिए रसोई गैस की आपूर्ति के लिए अधिकतम संख्या में लाइसेंस प्राप्त करने के लिए बोली लगाई है। गैस आपूर्ति के लिए हुए नए राउंड में यह बोली लगाई गई है। इस क्षेत्र के नियामक 'पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनबीआरबी)' द्वारा सार्वजनिक किए गए निविदा संबंधी ब्यौरो के मुताबिक शहरों के लिए हुए 11वें गैस लाइसेंसिंग राउंड में 61 भौगोलिक क्षेत्रों में से 53 के लिए आईओसी ने बोली लगाई। अडाणी टोटल गैस लिमिटेड ने 52 क्षेत्रों के लिए बोली लगाई। इस राउंड का समापन 15 दिसंबर को हुआ।

मेडप्लस के शेयर लगभग 31 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सूचीबद्ध हुए

नई दिल्ली। फार्मेसी खुदरा श्रृंखला मेडप्लस हेल्थ सर्विसेज लि. के शेयर बृहस्पतिवार को इसके निर्गम मूल्य 796 रुपये के मुकाबले लगभग 31 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर कंपनी के शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 27.51 फीसदी की बढ़त के साथ 1,015 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। यह आगे 40.69 प्रतिशत उछलकर 1,119.95 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर, यह 30.65 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,040 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 13,083.06 करोड़ रुपये है। मेडप्लस हेल्थ सर्विसेज लि. के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले हफ्ते निर्गम के अंतिम दिन 52.59 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 1,398.3 करोड़ रुपये के आईपीओ की कीमत 780-796 रुपये प्रति शेयर थी।

ग्रेन्यूल्स इंडिया ने सुचित्रा राव पालेपू को स्वतंत्र निदेशक बनाया

नई दिल्ली। दवा कंपनी ग्रेन्यूल्स इंडिया लिमिटेड ने सुचित्रा राव पालेपू को अपने निदेशक मंडल में तत्काल प्रभाव से गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक बनाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। कंपनी की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। पालेपू इससे पहले टेक महिंद्रा में मानव संसाधन विभाग की वैश्विक प्रमुख थीं। वह एक रणनीतिक सलाहकार हैं और संगठन तथा मानव संसाधन क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी पहलों में उन्हें विशेषज्ञता हासिल है।

दूर होगी चिप की किल्लत : 2022 में बढ़ेगी ऑटो इंडस्ट्री की रफ्तार

सप्लाई चैन में सुधार होने की उम्मीद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को 2022 से काफी उम्मीदें हैं। कंपनियों को लगता है कि नए साल में व्हीकल्स की बिक्री कोरोना महामारी शुरू होने से पहले वाली स्थिति में पहुंच जाएगी। सेमीकंडक्टर चिप की किल्लत से उबरने, 2021 के आखिर में उत्पादन बाधित होने से बढ़ी पेंटअप डिमांड और स्टील के दाम घटने से ऑटोमोबाइल कंपनियां उत्साहित हैं।

कारों की मांग बरकरार

ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के दिग्गजों के मुताबिक, देश में पैसेंजर व्हीकल्स की तगड़ी मांग बनी हुई है और सप्लाई की दिक्कतें धीरे-धीरे कम होने लगी हैं। नए साल में कुछ ऐसी इलेक्ट्रिक कारें और दोपहिया लॉन्च होंगे, जो ग्राहकों को काफी पसंद आएंगे। इससे बाजार में रौनक लौटेगी। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने उम्मीद जताई कि 2022 ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए 2021 के मुकाबले बेहतर साबित होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 2022 में स्थिति बेहतर होगी।'

स्टील के दाम कम होने से भी मिली बड़ी राहत

स्टील के दाम 49,300 रुपए से घटकर 44,000 रुपए प्रति टन हो गए हैं। आगामी महीनों में स्टील 3,000 रुपए प्रति टन तक और सस्ता होने की संभावना है। इसके चलते व्हीकल्स की मैन्युफैक्चरिंग लागत कम हो जाएगी और ऑटो कंपनियों का मार्जिन बढ़ेगा।

सरकार की इन नीतियों से मिला प्रोत्साहन

फेम-2 स्कीम को साल 2024 तक विस्तार मिला। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स के लिए प्रोत्साहनों में इजाफा किया। व्हीकल, पुर्जों के लिए 26 हजार करोड़ रुपए की पीएलआई स्कीम शुरू हुई। एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के लिए 18,000 करोड़ रुपए का सपोर्ट।

कोरोना की तीसरी लहर की इंडस्ट्री को चिंता नहीं

कोरोना वायरस का ओमिक्रॉन वैरिएंट तेजी से फैलने के बीच इस महामारी की तीसरी लहर की आशंका जताई जा रही है। लेकिन ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ऐसी स्थिति के लिए पहले से तैयार है। कंपनियों ने बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन लाइन को डिजिटाइज कर लिया है। दूर हो जाएगी सेमीकंडक्टर की किल्लत व्हीकल कंपनियों के आर्गनाइजेशन सियाम के डायरेक्टर राजेश मेनन ने उम्मीद जताई कि नया साल बेहतर होगा। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि 2022 में सेमीकंडक्टर की किल्लत खत्म हो जाएगी।' मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन रामदेव अग्रवाल का भी कहना है कि 2021 में सेमीकंडक्टर की कमी सबसे बड़ी चुनौती रही, लेकिन बीते महीने से यह दिक्कत दूर होने लगी है।

हालिया आईपीओ 52 सप्ताह की ऊंचाई से 48 फीसदी नीचे

नई दिल्ली/मुंबई

हाल में सूचीबद्ध हुई कंपनियों के शेयरों को बाजार में हालिया गिरावट का तगड़ा झटका लगा है। इनमें से कुछ शेयर 52 सप्ताह की ऊंचाई के मुकाबले 48 फीसदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। व्यक्तिगत शेयरों में एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स (नायिका), पीबी फिनटेक-पॉलिसीबाजार की मूल कंपनी, टेगा इंडस्ट्रीज, टारसंस प्रोडक्ट्स, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी, एसजेएस एंटरप्राइजेज, इंडिगो पेंट्स, आनंद राठी वेल्थ और ग्लेनमार्क लाइफसाइंसेज पिछले कुछ दिनों में सूचीबद्ध होने के बाद अपने निचले स्तर तक पहुंच गए। विश्लेषकों का कहना है कि उनमें से कुछ के लिए बुरा दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने निवेशकों को फिलहाल इन शेयरों से दूर रहने की सलाह दी है। इक्विनॉमिक्स रिसर्च के संस्थापक एवं मुख्य निवेश अधिकारी जी चोकालिंगम ने कहा कि निवेशकों को निवेश संबंधी कोई भी निर्णय लेने से पहले इनमें से हरेक कंपनी के कारोबारी संभावनाओं का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करना चाहिए। चोकालिंगम ने कहा, निवेशकों को गिरावट के बावजूद इन ई-कॉमर्स कंपनियों के शेयरों को आंख मूंदकर नहीं खरीदना चाहिए। आमतौर पर निजी इक्विटी/ वेंचर कैपिटल फर्म स्टार्टअप में निवेश करती हैं और इन कंपनियों के लाभप्रद होने पर मुनाफा कमाती हैं। हाल में सूचीबद्ध होने वाली अधिकतर कंपनियां घाटे में चल रही हैं लेकिन लाभप्रद होने से पहले रकम जुटाने के लिए उन्होंने शेयर बाजार की ओर रुख किया है। परिणामस्वरूप खुदरा निवेशक वेंचर कैपिटलिस्ट में परिवर्तित हो गए हैं। ऐसे 10 में से 7 शेयरों से फिलहाल दूर रहने की जरूरत है और अधिकतर में मौजूदा स्तर से 20 से 30 फीसदी की गिरावट दिख सकती है। कैलेंडर वर्ष 2021 प्राथमिक बाजार के लिए सबसे उल्लेखनीय वर्ष रहा है। इस दौरान दिसंबर के आरंभ तक 66 कंपनियों द्वारा करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये जुटाई गई जो इससे पहले 2017 में 74,035 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड से अधिक है। पेटीएम और जोमैटो सहित नए जमाने की कंपनियों और नायिका ने करीब 46,800 करोड़ रुपये जुटाए जो कुल जुटाई गई रकम का करीब 40 फीसदी है। हालांकि जोमैटो ने स्टॉक एक्सचेंज पर नए जमाने की कंपनियों की शुरुआत के रुझान को आगे बढ़ाया और वह डिजिटल भुगतान फर्म पेटीएम के लिए एक उदाहरण बन गई।

नई पीढ़ी के आईपीओ दस्तावेज में हो कीमत सही

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन अजय त्यागी ने कहा है कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में निवेश करने वाले खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा करना काफी महत्वपूर्ण है। त्यागी ने कहा कि डिस्क्लोजर आधारित व्यवस्था और मर्चेंट बैंकरों व इश्यू जारी करने वालों की तरफ से ज्यादा पारदर्शिता इस व्यवस्था में भरोसे में सुधार लाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ऑफ इंडिया (एआईबीआई) की तरफ से इसकी समीक्षा होनी चाहिए मर्चेंट बैकर ड्यू डिलिजेंस में किस तरह के मानकों का अनुपालन करते हैं। त्यागी ने कहा, हम आईपीओ के मूल्यांकन पर हुक्म नहीं देना चाहते। लेकिन कीमत अहम मसला है और पेशकश दस्तावेज में इसे विस्तार से बताया जाना चाहिए कि आखिर किस आधार पर कीमत तय हुआ, खास तौर से नई पीढ़ी की कंपनियों के मामले में जो मोटे तौर पर नुकसान उठा रही हैं। इन कंपनियों के अपने इकोसिस्टम व अपने पूंजीगत ढांचे हैं, ऐसे में इस बारे में निवेशकों को शिक्षित करना अहम है। त्यागी ने एआईबीआई की तरफ से बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में ये बातें कही। इक्विटी के प्राथमिक बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी काफी ज्यादा बढ़ी है। इस वित्त वर्ष में नवंबर तक इक्विटी आईपीओ में खुदरा निवेशकों के आवेदनों की संख्या 5.43 करोड़ रही। 2019-20 में सिर्फ 76.9 लाख आवेदन मिले थे जबकि वित्त वर्ष 21 के दौरान इन निवेशकों ने 3.8 करोड़ आवेदन जमा कराए थे। 2019-20 व 2020-21 में मुख्य आईपीओ में खुदरा श्रेणी के औसत आवेदनों की संख्या प्रति आईपीओ क्रमश 6.8 लाख व 13.64 लाख रही। 2021-22 में यह संख्या 15.65 लाख रही। आईपीओ में खुदरा निवेशकों की तरफ से निवेश 2019-20 के 5,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2020-21 में 8,300 करोड़ रुपये पर पहुंच गया और नवंबर 2021 तक यह आंकड़ा करीब 15,100 करोड़ रुपये रहा। त्यागी ने कहा, सूचनाओं की विषमता की समस्या द्वितीयक बाजारों के मुकाबले प्राथमिक बाजारों में निश्चित तौर पर ज्यादा होगी।

इसी वजह से सेबी ने बाजार में उतरने वाली नुकसान वाली कंपनियों के लिए खुदरा निवेशकों का कोटा 10 फीसदी रखा है, जो मुनाफा वाली कंपनियों के लिए 35 फीसदी है। त्यागी ने कहा, अभी आईपीओ में मिलने वाली रकम के इस्तेमाल की निगरानी की व्यवस्था काफी कमजोर है और सेबी इसे मजबूत बनाने की प्रक्रिया में है। सेबी जल्द ही एंकर निवेशकों की निवेशित अवधि यानी लॉक इन अवधि बढ़ाने पर फैसला लेगा। त्यागी ने कहा, यूपीआई की व्यवस्था कारगर रही है और निवेशकों को उत्साहित किया है। काफी नए इश्यू आए हैं और आईपीओ में एफपीआई की तरफ से निवेश भारत की प्रगति की कहानी में उसके भरोसे को प्रदर्शित करता है। काफी आईपीओ आने वाले हैं, लेकिन ओमीक्रोन के बढ़ते मामले, महंगाई के दबाव और फेड की तरफ से ब्याज दरों में बढ़ोतर की संभावना आईपीओ बाजार के लिए अहम अवरोधक हो सकते हैं।

आगाज पर एक फीसदी टूटकर बंद हुआ मेट्रो ब्रांड्स का शेयर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ब्रांडेड फुटवियर रिटेलर मेट्रो ब्रांड्स के शेयर की बुधवार को एक्सचेंजों पर कमजोर शुरुआत हुई। यह शेयर इश्यू प्राइस के मुकाबले 13 फीसदी छूट पर 436 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबारी सत्र में हालांकि यह शेयर चढ़ा और अंत में इश्यू प्राइस के मुकाबले 1.3 फीसदी की कमजोरी के साथ 493.5 रुपये पर बंद हुआ। मेट्रो ब्रांड्स के आईपीओ को 3.6 गुना आवेदन मिले थे। संस्थागत श्रेणी में 8.5 गुना आवेदन मिले थे जबकि धनाढ्य निवेशकों की श्रेणी में 3.02 गुना व खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 1.13 गुना आवेदन हासिल हुए थे। कंपनी ने इस आईपीओ का कीमत दायरा 485 से 500 रुपये प्रति शेयर तय किया था। 1,367 करोड़ रुपये के आईपीओ में 285 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी हुए थे जबकि 1,072 करोड़ रुपये का ओएफएस था। कंपनी इस रकम का इस्तेमाल मेट्रो, मोची, वॉकवे और सी. ब्रांड के तहत नए स्टोर खोलने में करेगी। मेट्रो ब्रांड्स देश की सबसे बड़ी स्पेशियलिटी रिटेलरों में से एक है। कंपनी ने पहला स्टोर मेट्रो ब्रांड के तहत मुंबई में 1955 में खोला था।

सीएमएस इन्फो सिस्टम्स को 52 फीसदी आवेदन

सीएमएस इन्फो सिस्टम्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को बुधवार को 52 फीसदी आवेदन मिले। संस्थागत श्रेणी के लिए आरक्षित श्रेणी में अभी तक कोई आवेदन नहीं मिले हैं। धनाढ्य निवेशकों की श्रेणी में 4 गुना और खुदरा निवेशकों की श्रेणी में 1.02 गुना आवेदन हासिल हुए हैं। सोमवार को कंपनी ने एंकर निवेशकों से 330 करोड़ रुपये जुटाए थे।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंक्डइन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

सोनी संग सौदा ज़ी बोर्ड से मंजूर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज (ज़ील) के बोर्ड ने देश के सबसे बड़े मीडिया सौदों में से एक को मंगलवार को मंजूरी दे दी। ज़ी ने आज सुबह सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) के साथ विलय के पक्के करार पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह संयुक्त कंपनी करीब 14,000 करोड़ रुपये के राजस्व के साथ भारत की दूसरी सबसे बड़ी मीडिया कंपनी है। एसपीएनआई सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट इंक की परोक्ष सहायक कंपनी है। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट इंक 82.5 अरब डॉलर के सोनी कॉर्प की कैलिफोर्निया स्थित इकाई है। विलय के बाद एसपीएनआई संयुक्त कंपनी में परोक्ष रूप से बहुलांश 50.86 फीसदी हिस्सेदारी रखेगी। इसमें ज़ी के प्रवर्तकों (सुभाष चंद्रा एवं उनके परिवार) की 3.99 फीसदी और कंपनी के अन्य शेयरधारकों की 45.15 फीसदी हिस्सेदारी होगी। ज़ी के मौजूदा सीईओ एवं प्रबंध निदेशक पुनीत गोयनका संयुक्त कंपनी की अगुआई करेंगे। संयुक्त कंपनी के बहुसंख्यक निदेशक मंडल को सोनी चुनेगी। इनमें एसपीएनआई के वर्तमान प्रबंध निदेशक और सीईओ भी शामिल होंगे। वह सोनी पिक्चर्स इंडिया के चेयरमैन के रूप में रवि आहूजा के नीचे काम करेंगे, जिनकी इस सौदे को अमली जामा पहनाने में अहम भूमिका रही। आहूजा सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट में वैश्विक टेलीविजन स्टूडियो और कॉरपोरेट घटनाक्रम के चेयरमैन हैं। आहूजा ने कहा, भारत में बहुत से लुभावने कारोबारों में से एक मीडिया है। यह तेजी से वृद्धि कर रहा है और हमारे लिए उपयुक्त है। सिंह ने कहा, हमने भारत में एक सफल कारोबार खड़ा किया है और हम सोनी की वृद्धि के लिए अगले कदम पर विचार कर रहे थे। जब पुनीत और मैंने इस सौदे के बारे में बातचीत की तो हमें लगा कि हमारे कारोबार काफी हद तक एक-दूसरे के पूरक हैं। इसलिए मैंने इस बारे में टोनी और रवि से बात की और उन्हें यह विचार पसंद आया।% यह सोनी का अधिग्रहण का दूसरा प्रयास है। इसकी वायकॉम 18 के साथ बातचीत काफी आगे बढ़ गई थी, लेकिन 2020 के आखिर में सौदा टूट गया। ज़ी के साथ सौदे से पहले भी काफी नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। इस साल की शुरुआत में ज़ी की सबसे बड़ी अल्पांश हिस्सेदार (18 फीसदी) इन्वेस्को ने कंपनी में प्रशासन को लेकर आपत्ति जताई थी। बार्क के 2020 के आंकड़ों के मुताबिक दोनों की टीवी दर्शकों में 28 फीसदी हिस्सेदारी होगी, जिससे यह डिज्नी स्टार से काफी आगे निकल जाएगी।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।